Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

# वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 210 | शनिवार, 08 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

## दिल्ली-एनसीआर की रफ्तार थमी, बारिश और जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया, जिससे लोगों की आवाजाही बाधित हुई और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश की वजह से कई जगहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बन गई। शहर में भारी बारिश के बाद छतरपुर फार्म इलाके में जलभराव की खबर मिली। फरीदाबाद के सेक्टर 35 और अन्य इलाकों में भी लगातार बारिश

के कारण जलभराव की समस्या हुई। मुख्य सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें देखी गईं; लगातार बारिश के बीच जलभराव और धीमी गति से चल रहे ट्रैफिक की वजह से लोगों को देरी का सामना करना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने कई राज्यों के लिए गंभीर 'रेड अलर्ट' और मौसम से जुड़ी अहम सलाह जारी की है। इसमें लगातार भारी बारिश, कुछ जगहों पर अचानक तेज बारिश (क्लाउडबर्स्ट) और जोरदार बिजली कड़कने के साथ तूफान की चेतावनी दी गई है।

देश भर में चक्रवाती हवाओं के घेरे और सक्रिय मॉनसून ट्रफ की वजह से बारिश तेज हो रही है, जिसके चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तरी केरल और ओडिशा व पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। कुछ मुख्य इलाकों में बारिश का स्तर 100एमएम के करीब पहुँच गया। अचानक हुई इस तेज बारिश ने सड़कों को पानी में डुबो दिया, जिससे दक्षिण, पूर्वी और मध्य दिल्ली में सुबह के समय आने-जाने वाले लोगों की रफ़्तार बहुत धीमी हो गई।

ITO, महरौली-बदरपुर रोड और रोहतक रोड जैसे मुख्य ट्रांज़िट कॉरिडोर पर भारी जल-जमाव की सूचना मिली, जिससे गाड़ियों को मुख्य फ्लाईओवर और अंडरपास के नीचे गहरे पानी से गुजरना पड़ा।

## आवाजें एक साथ उठती हैं तभी सरकार झुकती है

### राहुल गांधी ने पेपर लीक पर बीजेपी को घेरा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** शुक्रवार को प्रयागराज में अपने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि इखढ के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तभी झुकती है जब आवाजें एक साथ उठती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि परीक्षा के पेपर लीक होने के खिलाफ छात्रों के लगातार विरोध-प्रदर्शनों ने सरकार को जवाबदेही तय करने के लिए मजबूर किया। गुरुवार को पर एक पोस्ट में, गांधी ने भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक को लेकर महीनों तक चले विरोध-प्रदर्शनों के बाद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का ज़िक्र

किया और कहा कि सामूहिक कार्रवाई ने सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया।

गांधी ने कहा कि प्रयागराज वह शहर है जहाँ सबसे ज्यादा युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। यहाँ का हर छात्र जानता है कि सिस्टम बेईमान हो गया है। छात्रों की मेहनत में कोई कमी नहीं है; समस्या उस सिस्टम में है जो उनकी मेहनत की कद्र नहीं करता।

उन्होंने नौकरी के उम्मीदवारों के सामने आने वाली समस्याओं में पेपर लीक, रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया और नियुक्तियों में लंबी देरी का ज़िक्र किया। कोटा और देहरादून में छात्रों के साथ अपनी हालिया बातचीत का ज़िक्र करते हुए, गांधी ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में भी ऐसी ही शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली में परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आखिरकार, एक मंत्री को इस्तीफा देना ही पड़ा।

## आयुष्मान भारत नियमों के उल्लंघन पर 2,359 अस्पताल पैनल से बाहर, संसद में बोले नड्डा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि इस साल 31 मई तक, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के कारण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 2,000 से ज्यादा अस्पतालों को सूची से हटा दिया है और 1,200 अन्य को निलंबित कर दिया है। नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि योजना के दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए 29 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और 328.49 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। नड्डा ने कहा कि नियमों के उल्लंघन के कारण 2,359 अस्पतालों को सूची से हटाया गया है।

उन्होंने कहा कि इस योजना में धोखाधड़ी के मामले में ह्यकतई बर्दाश्त नहीं करने कीह्ल नीति अपनाई जाती है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के तहत राष्ट्रीय धोखाधड़ी रोधी इकाई संदिग्ध दावों का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग पर आधारित स्वचालित प्रणाली का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि ये स्वचालित प्रणालियां दावा जमा होने के 24 घंटे के भीतर असामान्य दावा पैटर्न की पहचान करती हैं, जिनमें अनधिकृत बिलिंग, दोहरी प्रविष्टि, बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई प्रक्रियाओं और मरीज की पहचान का गलत इस्तेमाल शामिल है। मंत्री ने कहा कि संदिग्ध माने गए दावों की भुगतान से पहले जांच की जाती है और धोखाधड़ी वाले दावों का भुगतान नहीं किया जाता है, जिससे 31 जुलाई, 2026 तक 676.14 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों को निलंबित करने और सूची से हटाने के अलावा, योजना के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों के खिलाफ जुमार्ना लगाने और प्राथमिकी दर्ज करने जैसी कार्रवाई भी की जाती हैं। आयुष्मान भारत योजना देश की आबादी के निचले 40 प्रतिशत हिस्से को द्वितीय और तृतीय स्तर के अस्पतालों में भर्ती कराने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा कवरेज देती है। यह योजना सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की जा रही है, और कई राज्य इसे अपनी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के साथ जोड़ रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, पात्र लाभार्थियों के लिए 3.75 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए, अस्पताल में भर्ती होने के 2.74 करोड़ मामलों को मंजूरी दी गई और योजना के तहत 5,074 अस्पतालों को सूची में शामिल किया गया।

## पटना में हादसे के बाद बेकाबू भीड़ का तांडव, थाने में तोड़फोड़, पुलिस की 3 गाड़ियों को फूंका

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**पटना।** शुक्रवार को बिहार की राजधानी पटना के बड़ी पहाड़ी इलाके में तेज रफ़्तार बस से कुचलकर एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिसके बाद वहां हिंसा फैल गई। इस घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने बस की खिड़कियां तोड़ीं और फिर उसमें आग लगा दी। इस घटना से इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई; यह इलाका अगमकुआं पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसके कारण 10 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम भी लग गया, जिसके बाद भीड़ को हटाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस

से भी झड़प की, उन पर पथराव किया और एक पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। पुलिस की तीन गाड़ियों को भी जला दिया गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी और बढ़ गई। पुलिस ने अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है और स्थिति को काबू में लाने तथा वाहनों की आवाजाही बहाल करने की कोशिश कर रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब पुलिस स्टेशन में आग लगाई गई, तो वहां तीन पुलिसकर्मी तैनात थे। उन्होंने स्टेशन के अंदर का सारा सामान तोड़-फोड़ दिया। ऐसा लगता है कि वे स्थानीय लोग थे। अउढ प्रदर्शनकारियों से मिले, लेकिन हिंसा जारी रही।

हालात का जायजा लेने के लिए पटना सिटी के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (SDM) सत्यम सहाय समेत कई बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। सहाय ने बताया कि अधिकारियों ने मृतक के शव को सड़क से हटा दिया है और ट्रैफिक फिर से शुरू हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच चल रही है।

उन्होंने समाचार एजेंसी अठककको बताया कि एक सड़क दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना के बाद, मृतक के शव का इस्तेमाल करके सड़क को जाम कर दिया गया और इस दौरान हिंसा हुई।

## सीएम विजय की पत्नी संगीता ने वापस ली तलाक की अर्जी, कोर्ट ने केस बंद किया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पत्नी संगीता ने शुक्रवार को तमिलनाडु की चेंगलपट्टू ज़िला अदालत में अभिनेता से राजनेता बने विजय के खिलाफ दायर तलाक की अर्जी वापस ले ली। अजी वापस लेने के बाद, चेंगलपट्टू अदालत ने तलाक का मामला बंद कर दिया। यह घटनाक्रम तब हुआ जब शुक्रवार को मामले की सुनवाई हुई। लंदन में मौजूद संगीता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुईं, जबकि विजय व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके क्योंकि वे तमिलनाडु विधानसभा के चल रहे सत्र में हिस्सा ले रहे थे। सुनवाई के दौरान, विजय के वकील ने अदालत को बताया कि विधानसभा सत्र के कारण मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सकते।

संगीता लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुईं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, तलाक की अर्जी वापस लिए जाने पर अदालत ने मामले को बंद कर दिया। इससे पहले भी कई बार इस मामले की सुनवाई टाल दी गई थी, क्योंकि दोनों पक्ष कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए थे। सार्वजनिक हस्तियां होने के नाते, विजय और संगीता ने सुरक्षा कारणों और अन्य प्रक्रियात्मक दिक्कतों का हवाला देते हुए वर्चुअल तरीके से कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति मांगी थी।

## चुनाव से पहले जयंत चौधरी को यूपी में बड़ा झटका, यूपी यूनिट के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** जयंत चौधरी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) को एक झटका लगा है। पार्टी की यूपी यूनिट के अध्यक्ष रामाशिश राय ने शुक्रवार को अपने पद और पार्टी, दोनों से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम राज्य विधानसभा चुनावों से ठीक सात महीने पहले हुआ है। राय ने कहा कि उन्होंने यह कदम सत्ताधारी इखढ के नेतृत्व वाले ठऊअ की बांटने वाली राजनीति के कारण उठाया है। फ्छऊ वढ और केंद्र, दोनों जगह ठऊअ का हिस्सा है।

स्किल डेवलपमेंट और शिक्षा

राज्य मंत्री जयंत को लिखे एक पत्र में राय ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर प्रभावशाली और आर्थिक रूप से ताकतवर वर्गों का कब्जा हो रहा है और समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटने का चलन बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों के कारण आम लोगों में परेशानी बढ़ रही है। रालोद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का एक प्रमुख घटक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में साझेदार है। राय को 27 मई 2022 को राष्ट्रीय लोकदल की उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि संविधान, लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे प्रहार से लोकतंत्र आज खतरे में है।

## 'अपनी जुबान पर लगाम लगाएं राजनेता', आईएएस अधिकारी को पाकिस्तानी कहने पर हाई कोर्ट ने भाजपा विधायक को लगाई फटकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** आईएएस अधिकारी फौजिया तरन्नुम को पाकिस्तानी कहने को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा विधायक एन रविकुमार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि वह इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली रविकुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्चिस एम नागप्रसन्ना ने टिप्पणी की कि किसी सिविल सेवक के खिलाफ केवल उसके धर्म के कारण इस तरह की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। बार एंड बेंच

की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस नागप्रसन्ना ने भाजपा विधायक को फटकार लगाते हुए कहा, 'फौजिया तरन्नुम राज्य की आईएएस अधिकारी हैं। सिर्फ इसलिए कि वह मुस्लिम हैं। उन्हें पाकिस्तान से बताना कतई माफ नहीं किया जा सकता। इसको बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आपने यह क्या कहा है? क्या आपको लगता है कि आप कुछ भी बोल सकते हैं?'

### जुबान पर लगाम लगाएं राजनेता- जज

जज ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'आप सभी को अपनी जुबान पर लगाम लगानी चाहिए। वरना आपराधिक अदालतें बेवजह के मुकदमों से भर जाएंगी। हत्या और जबरन वसूली जैसे मामले 10 साल से लंबित हैं और ऐसे मामले अदालतों में बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि आपको अपनी जुबान पर नियंत्रण नहीं रखते। जज ने आगे कहा, 'चाहे आप किसी भी पार्टी के हों, आप दोनों को यह सब बंद कर देना चाहिए।

## पीएम मोदी का बड़ा संकेतः परिसीमन बिल अब आकर रहेगा! एनडीए के पास पूरा संख्या बल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भरोसा है कि केंद्र के महत्वाकांक्षी महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल को लोकसभा में पास कराने के लिए NDA के पास जरूरी समर्थन है। सूत्रों ने ऐसा दावा किया है। सूत्रों के मुताबिक, अगर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध के कारण मौजूदा मॉनसून सत्र में ये बिल पेश नहीं हो पाते हैं, तो इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन्हें पास कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार को अब तक 366 सांसदों का समर्थन मिल चुका है। ये अहम घटनाक्रम शुक्रवार को NDA सांसदों की नाश्ते पर हुई एक खास बैठक के दौरान सामने आए,

क्योंकि केंद्र सरकार संसद के सुचारू कामकाज के लिए गतिरोध खत्म करने के मकसद से विपक्ष से संपर्क बनाए हुए थी। सूत्रों ने बताया कि बैठक में युवाओं तक पहुंच बनाने और NDA को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर भी खास तौर पर चर्चा हुई। सूत्रों ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री ने संकेत दिया है कि सरकार के पास परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त समर्थन है, क्योंकि उन्हें लगभग 366 लोकसभा सांसदों का समर्थन मिल चुका है। उन्होंने कहा कि अगर प्रस्तावित कानून को मौजूदा सत्र के दौरान पेश नहीं किया जा सका, तो सरकार बिलों को आगे बढ़ाने के लिए इस महीने के आखिर में एक विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर सकती है। मोदी ने सांसदों को यह भरोसा भी दिलाया कि परिसीमन की प्रक्रिया के दौरान उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। हाल ही में हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने NDA सांसदों से युवाओं, खासकर GenZ के साथ लगातार जुड़े रहने और उन्हें सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में बताने का आग्रह किया। सांसदों को यह सलाह भी दी गई कि वे युवा मतदाताओं के साथ नियमित बातचीत बनाए रखें और सीधे संवाद के जरिए सरकार के प्रति उनकी चिंताओं या असंतोष का समाधान करें।

पीएम मोदी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सांसदों की चिंताओं पर भी बात की और कहा कि पार्टी से जुड़े फैसले संवैधानिक दायरे में रहकर लिए गए हैं।

## 'स्वतंत्रता सेनानियों ने गोलियां खाईं, आप अंडों से डर रहीं'

### महुआ मोइत्रा को लगा सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

**नई दिल्ली।** नफरत फैलाने वाले भाषण के एक मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को पश्चिम बंगाल पुलिस के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी ने सीने पर गोलियां खाई थीं, लेकिन सांसदों के अंडों से डर लग रहा है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं।

महुआ मोइत्रा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल

### महुआ मोइत्रा की तरफ से क्या तर्क दिया गया?

महुआ मोइत्रा की तरफ से कहा गया, 'पुलिस के नोटिस के मुताबिक मुझे अपने निर्वाचन क्षेत्र के थाने में पेश होना है। पिछली बार जब मैं वहां गई थी तो दो बातें हुई थीं। पहले मुझे धमकियां मिलीं कि (मुझ पर) अंडे फेंके जाएंगे आदि और दूसरी बार, वास्तव में अंडे फेंके गए।' इस पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने महुआ मोइत्रा को पुलिस के समक्ष पेश होने को कहा और मौखिक टिप्पणी में कहा, 'आप सांसद हैं। राजनीति में आने के बाद आपको अंडों से डर लगता है?' बेंच ने कहा, 'हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सीने पर गोलियां खाईं। ऐसी याचिकाएं इस अदालत के समक्ष आनी ही नहीं चाहिए।'

शंकरनारायणन ने कहा, 'कानून के तहत महुआ मोइत्रा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पुलिस के समक्ष पेश होने का कानूनी अधिकार है।'

## कांग्रेस ने अपने सांसदों को तीन दिन के लिए जारी किया तीन लाइन का व्हिप

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने अपने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी कर उन्हें 10, 11 और 12 अगस्त को संसद की कार्यवाही के दौरान अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए कहा है कि इन तीन दिनों के दौरान सदन में अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और अन्य विधायी कार्य होने हैं। सभी सांसदों को सुबह 11 बजे से सदन की कार्यवाही स्थगित होने तक सदन में उपस्थित रहने तथा पार्टी के रुख के अनुरूप मतदान करने और उसका समर्थन करने के लिए कहा गया है। लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुन्निल सुरेश तथा राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने यह व्हिप जारी किया है। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों से भी अपने सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

## संपादक की कलम से

# ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित शर्मा
संपादक

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि ह्यगिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकताह्ण, उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को ह्यतुरंत लौटकर सामना करनेह्ण की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी। इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

## आई सावन की बहार

उदय कशोर साह

कविता

सावन की पड़ रही जमीं पे फुहार
पुरवाई की मदमस्त है ये बयार
चहुँओर हरितमा है धरा पे छाई
हरियाली पोर पोर में है समाई

कारे कारे बदरा अंबर पे हो सवार
कड़क रही बिजली डराती बारंबार
धड़क जाती छाती भय में है दयार
कैसी हो रही है मानवता से रार

मस्ती में द्वादुर गीत गाये मल्हार
झिंगुर गुनगुनाती खुशी में यार
जवां हुई सरिता बहती है हजार
भीग रही बगिया खिल गई बहार

अमुवा की डाली पे कोयलिया काली
झुल रही सब कलियां संग संग आली
मस्ती की छाई है सब पे ही खुमार
पहाड़ों ने कर ली हरीयाली श्रृंगार

चल री सजनी नाव से नदिया के पार
उफनती नदियां कर रही है चिघाड़
संग जीने मरने की है ये अपन संसार
आना और जाना है धरा पे बार बार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

# भ्रष्टाचार के दरख्त की जड़ें शिखर पर बैठे मठाधीशों के आँगन में होती हैं: नीचे नहीं!

एनके शर्मा
लेखक

भ्रष्टाचार केवल रिश्वत की एक घटना नहीं है; यह उस नैतिक पतन का दूसरा नाम है, जहाँ अधिकार उत्तरदायित्व से बड़ा हो जाता है और पद सेवा के बजाय विशेषाधिकार का माध्यम बन जाता है। अक्सर समाज की निगाहें उस कर्मचारी, बाबू, निरीक्षक या स्थानीय अधिकारी पर टिक जाती हैं, जो सीधे जनता से जुड़ा होता है। किंतु यदि भ्रष्टाचार को एक विशाल वृक्ष माना जाए, तो उसकी शाखाएँ नीचे दिखाई देती हैं, जबकि उसकी जड़ें प्रायः सत्ता, प्रभाव, संरक्षण और संस्थागत जवाबदेही की कमजोरियों में छिपी होती हैं।

यदि किसी व्यवस्था में शीर्ष स्तर पर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व मजबूत हो, तो अधीनस्थ स्तर पर भ्रष्टाचार के लिए स्थान स्वतः सीमित हो जाता है। इसके विपरीत, जब शीर्ष स्तर पर नियमों का चयनात्मक पालन, पक्षपात, अनुचित संरक्षण या जवाबदेही का अभाव दिखाई देता है, तो उसका संदेश पूरे तंत्र में नीचे तक पहुँचता है। यह किसी एक विभाग या देश की समस्या नहीं, बल्कि शासन-विज्ञान का व्यापक सिद्धांत है कि संगठन का चरित्र उसके नेतृत्व से आकार लेता है। इतिहास बताता है कि कोई भी राष्ट्र केवल आर्थिक संसाधनों की कमी से कमजोर नहीं हुआ; वह तब कमजोर हुआ जब उसके संस्थानों में जनता का विश्वास टूट गया। जब ईमानदार व्यक्ति स्वयं को असहाय और बेईमान व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस करने लगे, तब भ्रष्टाचार एक व्यक्तिगत अपराध नहीं रहता—वह संस्थागत संस्कृति बन जाता है। भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं कि कुछ लोग अनुचित लाभ कमा लेते हैं; बल्कि यह है कि योग्य व्यक्ति अवसर खो देता है, गरीब नागरिक न्याय से वंचित हो जाता है, और समाज का नैतिक आधार क्षीण होने लगता है। विकास योजनाएँ कागजों पर पूरी हो जाती हैं, लेकिन सड़कें टूटती रहती हैं; अस्पताल बनते हैं, लेकिन दवाएँ नहीं पहुँचतीं; विद्यालय खुलते हैं, लेकिन शिक्षा का स्तर नहीं सुधरता। इस प्रकार भ्रष्टाचार केवल धन की चोरी नहीं करता—यह भविष्य की संभावनाओं की चोरी करता है। कई बार यह तर्क दिया जाता है कि भ्रष्टाचार नीचे से शुरू होता है। किंतु यह दृष्टिकोण अधूरा है। किसी भी संगठित व्यवस्था में अधीनस्थ कर्मचारियों की सीमाएँ स्पष्ट होती हैं। बड़े स्तर के निर्णय—नीतियाँ, ठेके, नियुक्तियाँ, बजट, निगरानी और दंड—आमतौर पर उच्च स्तर पर निर्धारित होते हैं। इसलिए शीर्ष नेतृत्व की ईमानदारी और जवाबदेही पूरे तंत्र की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह भी उतना ही सत्य है कि हर उच्च पद पर बैठा व्यक्ति भ्रष्ट नहीं होता और न ही हर निम्न स्तर का कर्मचारी निर्दोष होता है। अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और कर्मचारी अत्यंत ईमानदारी से कार्य करते हैं तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सार्वजनिक हित को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष व्यक्तियों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन प्रवृत्तियों और व्यवस्थागत कमियों के विरुद्ध होना चाहिए जो बेईमानी को बढ़ावा देती हैं। जब किसी संस्था में गलत निर्णयों पर कोई प्रश्न नहीं उठता, जाँच लंबित रहती है, दंड अनिश्चित होता है और पारदर्शिता सीमित होती है, तब भ्रष्टाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो जाता है। इसके विपरीत, जहाँ स्वतंत्र जाँच, प्रभावी लेखा-परीक्षण, सूचना तक नागरिकों की पहुँच, निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया और मीडिया की स्वतंत्र भूमिका होती है, वहाँ भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी नहीं हो पातीं। लोकतंत्र की शक्ति केवल चुनावों में नहीं, बल्कि निरंतर सार्वजनिक उत्तरदायित्व में निहित है। जनता कर इसलिए नहीं देती कि उसका धन निजी लाभ का साधन बने; वह इसलिए कर देती है कि उससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, न्याय और विकास जैसे सार्वजनिक उद्देश्यों की पूर्ति हो। इसलिए सार्वजनिक पद किसी विशेषाधिकार का नहीं, बल्कि सार्वजनिक विश्वास का दायित्व है। आज आवश्यकता केवल भ्रष्टाचार-विरोधी नारों की नहीं, बल्कि ऐसी संस्थागत व्यवस्था की है जिसमें: निर्णय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो। स्वतंत्र और निष्पक्ष जाँच संस्थाएँ प्रभावी हों। ईमानदार अधिकारियों और व्हिसलब्लोअर्स को पर्याप्त संरक्षण मिले। सार्वजनिक खरीद, ठेकों और नियुक्तियों में डिजिटल पारदर्शिता बढ़े। समयबद्ध जाँच और न्याय सुनिश्चित हो। नागरिकों को सूचना और शिकायत निवारण के प्रभावी साधन उपलब्ध हों।

जब शीर्ष स्तर पर नैतिक उदाहरण स्थापित होता है, तो उसका प्रभाव नीचे तक दिखाई देता है। इसके विपरीत, यदि शीर्ष पर जवाबदेही कमजोर पड़ती है, तो अधीनस्थ स्तर पर अनुशासन बनाए रखना कठिन हो जाता है। इसलिए किसी भी भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान की सफलता केवल छोटे मामलों पर कार्रवाई से नहीं, बल्कि संस्थागत सुधारों और समान रूप से लागू होने वाले कानूनों से तय होगी। राष्ट्र का भविष्य केवल ऊँची इमारतों, बड़े बजटों या आकर्षक घोषणाओं से सुरक्षित नहीं होता। वह तब सुरक्षित होता है जब नागरिक यह विश्वास कर सकें कि कानून सबके लिए समान है, सार्वजनिक धन का उपयोग सार्वजनिक हित में होगा और पद की गरिमा व्यक्तिगत लाभ से ऊपर रहेगी। भ्रष्टाचार का वृक्ष जितना दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक अदृश्य होता है। उसकी जड़ें वहाँ खोजनी होंगी जहाँ निर्णय लिए जाते हैं, जहाँ उत्तरदायित्व तय होता है और जहाँ नैतिक नेतृत्व की परीक्षा होती है। यदि जड़ों तक पहुँचकर उन्हें पारदर्शिता, जवाबदेही और विधि के शासन के माध्यम से कमजोर किया जाए, तो शाखाएँ स्वतः सूखने लगेंगी।

राष्ट्रों का उत्थान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि नैतिक शक्ति से होता है। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध सबसे प्रभावी संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था के निर्माण का संघर्ष है जहाँ ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य मानक बने; जहाँ सार्वजनिक पद सम्मान के साथ-साथ कठोर उत्तरदायित्व का प्रतीक हो; और जहाँ नागरिक का विश्वास शासन की सबसे बड़ी पूँजी माना जाए। तभी लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ साकार होगा और विकास केवल आँकड़ों में नहीं, बल्कि जनता के जीवन में दिखाई देगा।

# डिजिटल युग में बाल सुरक्षा बनाम स्वतंत्रता: मेटा विवाद और पोक्सो कानून से उठे जवाबदेही के सवाल

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर डिजिटल क्रांति ने मानव सभ्यता को संचार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क के ऐसे अवसर दिए हैं, जिनकी कुछ दशक पहले कल्पना भी कठिन थी। आज अरबों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं। व्यक्तिगत संवाद से लेकर सरकारी योजनाओं, व्यापारिक लेन-देन, शिक्षा, न्यायिक प्रक्रियाओं और वैश्विक कूटनीति तक डिजिटल माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जितनी तीव्र गति से डिजिटल सुविधाएँ बढ़ी हैं, उतनी ही तीव्र गति से साइबर अपराध, भ्रामक सूचनाएँ, डीपफेक, ऑनलाइन ठगी, डेटा गोपनीयता के संकट तथा बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। यही कारण है कि अब पूरी दुनियाँ में यह प्रश्न प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या तकनीकी कंपनियाँ केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित रह सकती हैं अथवा उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले अपराधों की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी उठानी होगी।हाल के घटनाक्रमों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। शुक्रवार दिनांक 7 अगस्त 2026 को इस पूरे मुद्दे पर कानूनी और मानवाधिकारों के संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक ऐतिहासिक और बेहद कड़ा कदम उठाया है।आयोग ने इस विषय पर स्वतःसंज्ञान लेते हुए को मेटा इंडिया और भारत के आठ प्रमुख राज्यों (दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार) के पुलिस महानिदेशकों को विस्तृत नोटिस जारी किया। एनएचआरसी ने जांच के लिए 50 विशिष्ट इंटरनेट लिंक कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मेटा के साथ साझा किए हैं। आयोग का स्पष्ट मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री का लगातार बने रहना बच्चों की गरिमा, निजता और उनके मौलिक मानवाधिकारों का निरंतर उल्लंघन है। यह पूरी कार्रवाई मुख्य रूप से भारत के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून, 2012 के कड़े नियमों के तहत की जा रही है। पोक्सो अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत, किसी भी व्यक्ति या मध्यवर्ती संस्था (जैसे मेटा) को यदि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध या ऐसी सामग्री के प्रसार की जानकारी मिलती है, तो उसकी तुरंत रिपोर्ट करना अनिवार्य है। इस कानून के तहत बाल यौन शोषण सामग्री को देखना, संग्रहीत करना या उसका प्रसार करना एक गंभीर और गैर-जमानती आपराधिक कृत्य है एनएचआरसी ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों की साइबर क्राइम इकाइयाँ और विशेष किशोर पुलिस इकाइयाँ इन लिंक्स की गहन जांच करें, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और यदि मेटा की ओर से जानबूझकर अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि भविष्य में डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही केवल व्यावसायिक नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक भी होगी। साथियों वर्तमान समय की एक और महत्वपूर्ण वास्तविकता यह है कि मनुष्य डिजिटल व्यवस्थाओं पर अभूतपूर्व रूप से निर्भर हो चुका है। परिवार, व्यापार, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा और प्रशासनिक कार्य अब मोबाइल एप्लीकेशनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संचालित होने लगे हैं।

ऐसे में यदि किसीतकनीकी कारण से किसी उपयोगकर्ता का अकाउंट अचानक अंडर रिव्यू में चला जाए या बिना पूर्व सूचना के अस्थायी रूप से बंद हो जाए, तो उसका सामान्य जीवन प्रभावित हो जाता है।हाल ही में व्हाट्सएप द्वारा अनेक खातों को लगभग 24 घंटे के लिए समीक्षा के दायरे में रखने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा प्रणालियाँ अपराधियों को रोकने के साथ-साथ कभी-कभी निर्दोष उपयोगकताओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। इससे यह प्रश्न और गंभीर हो जाता है कि डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करते समय नागरिकों के अधिकारों और तकनीकी त्रुटियों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।दूसरी ओर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील सामग्री, फर्जी विज्ञापनों और बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार ने सरकारों और नियामक संस्थाओं को कठोर रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। खोजी रिपोर्टों में ऐसे आरोप सामने आए कि कुछ सशुल्क विज्ञापन अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री तक पहुँचने का माध्यम बन रहे थे। यदि किसी डिजिटल विज्ञापन प्रणाली का उपयोग अपराधी संगठित रूप से कर सकें, तो यह केवल प्लेटफॉर्म की तकनीकी कमजोरी नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का प्रश्न बन जाता है। इसी कारण संभवतः इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से तत्काल स्पष्टीकरण माँगा तथा ऐसे विज्ञापनों को हटाने के निर्देश दिए। यह संदेश स्पष्ट है कि डिजिटल विज्ञापन से होने वाला आर्थिक लाभ सामाजिक उत्तरदायित्व से ऊपर नहीं हो सकता। साथियों, इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण आयाम बाल अधिकारों की सुरक्षा है।भारत का पॉक्सो अधिनियम, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों से संरक्षण हेतु विश्व के सबसे कठोर कानूनों में से एक माना जाता है। इसकी विभिन्न धाराएँ बाल यौन शोषण सामग्री के निर्माण, भंडारण, प्रसार अथवा व्यावसायिक उपयोग को गंभीर अपराध घोषित करती हैं। साथ ही यह भी अपेक्षा करती हैं कि यदि किसी डिजिटल मध्यस्थ को ऐसी सामग्री की जानकारी मिले तो वह तत्काल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करे। इस प्रकार कानून केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को सक्रिय सहयोगी बनने की जिम्मेदारी भी सौंपता है। यही कारण है कि यदि किसी कंपनी द्वारा लापरवाही सिद्ध होती है तो उसके विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा पॉक्सो कानून के अंतर्गत कठोर कार्रवाई संभव हो सकती है।राष्ट्रीयमानवाधिकार आयोग द्वारा आठ राज्यों के पुलिस प्रमुखों को नोटिस जारी करना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं बल्कि एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति का संकेत है। आयोग ने संदिग्ध इंटरनेट लिंक संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध कराकर विस्तृत जांच, साइबर फॉरेंसिक विश्लेषण, आईपी एड्रेस ट्रैकिंग तथा आवश्यक होने पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। विशेष किशोर पुलिस इकाइयों और साइबर अपराध शाखाओं की भूमिका इस मामले में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि डिजिटल अपराध अक्सर अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होते हैं। इसलिए केवल तकनीकी जांच ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग, डेटा साझा करने की व्यवस्था और डिजिटल साक्ष्यों का सटीकता से संरक्षण भी आवश्यक होगा। साथियों, इस पूरे विवाद ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाले सेफ हार्बर संरक्षण पर भी नई बहस प्रारंभ कर दी है।अब यह विचार तेजी से उभर रहा है कि यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर अवैध सामग्री को रोकने में बार-बार विफल रहती है या नियामकीय निर्देशों का पालन नहीं करती, तो उसे कानूनी संरक्षण का लाभ स्वतः नहीं मिलना चाहिए। प्रस्तावित आईटी नियमों में भ्रामक सामग्री, डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री को निश्चित समय-सीमा के भीतर हटाने की अनिवार्यता, विज्ञापनदाताओं का केवाईसी सत्यापन, अधिक पारदर्शी कंटेंट मॉडरेशन प्रणाली तथा एल्गोरिदमिक जवाबदेही जैसे प्रावधान शामिल किए जाने पर विचार हो रहा है। यदि ये सुधार प्रभावी रूप से लागू होते हैं तो भारत डिजिटल नियमन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में सटीकता से महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट, अमेरिका में बिग टेक कंपनियों पर बढ़ती संसदीय निगरानी, ऑस्ट्रेलिया तथा ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा कानून और संयुक्त राष्ट्र द्वारा बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर लगातार दिए जा रहे दिशा-निर्देश इस बात का प्रमाण हैं कि विश्व समुदाय अब सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रिय सुरक्षा उपायों की अपेक्षा कर रहा है। अब यह युग समाप्त होता दिखाई दे रहा है जब तकनीकी कंपनियाँ स्वयं को केवल मध्यस्थ बताकर प्रत्येक जिम्मेदारी से अलग कर लेती थीं। वैश्विक लोकतंत्रों में यह सिद्धांत मजबूत हो रहा है कि जहाँ तकनीकी शक्ति है, वहाँ सामाजिक उत्तरदायित्व भी सटीकता से अनिवार्य होना चाहिए।

## ज्योतिषी

# श्रावण शिवरात्रि : भगवान शिव की कृपा प्राप्ति का दिव्य पर्व

डॉ. सोनिका जैन
लेखिका

**प्रमुख पूजन मुहूर्त**

निशीथ काल पूजा : रात्रि 11:26 बजे से 12:09 बजे (12 अगस्त) तक
**प्रथम प्रहर :** सायं 6:22 बजे से 9:04 बजे
**द्वितीय प्रहर :** रात्रि 9:04 बजे से 11:47 बजे
**तृतीय प्रहर :** रात्रि 11:47 बजे से 2:30 बजे (12 अगस्त)
**चतुर्थ प्रहर :** रात्रि 2:30 बजे से प्रातः 5:13 बजे (12 अगस्त)

श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना गया है। इस पावन मास में आने वाली श्रावण शिवरात्रि का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा एवं विधिपूर्वक भगवान शिव का पूजन, रुद्राभिषेक एवं व्रत करने से समस्त कष्टों का निवारण होता है तथा परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य का वास होता है।

वर्ष 2026 में श्रावण शिवरात्रि मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि प्रातः 4:54 बजे प्रारंभ होकर 12 अगस्त को रात्रि 1:52 बजे तक रहेगी, इसलिए शिवरात्रि व्रत एवं पूजन 11 अगस्त को ही किया जाएगा।

श्रावण शिवरात्रि पर प्रातः स्नान के उपरांत व्रत का संकल्प लेकर भगवान शिव का गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी एवं शक्कर से अभिषेक करें। इसके पश्चात बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद पुष्प, चंदन, अक्षत एवं मौसमी फल अर्पित करें। पूजन के दौरान ॐ नमः शिवाय तथा महामृत्युंजय मंत्र का श्रद्धापूर्वक जप अत्यंत फलदायी माना गया है।

श्रावण शिवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व नहीं, बल्कि आत्मसंयम, साधना और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का भी संदेश देती है। व्रत, ध्यान और रात्रि जागरण के माध्यम से मन की शुद्धि होती है तथा भगवान शिव की कृपा से जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होता है।

आज के व्यस्त जीवन में यदि हम इस पावन अवसर पर कुछ समय भगवान शिव की आराधना, ध्यान, सेवा एवं दान-पुण्य के लिए निकालें, तो न केवल आध्यात्मिक उन्नति होगी बल्कि मानसिक शांति और पारिवारिक सौहार्द भी प्राप्त होगा।

आइए, इस श्रावण शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करें कि वे समस्त मानव समाज को उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि, सद्बुद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करें।

# कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए सख्त दिशा निर्देश

## गढ़मुक्तेश्वर व सिंभावली क्षेत्र के कांवड़ मार्गों का निरीक्षण, यातायात, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की समीक्षा

**वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ**

**हापुड़।** श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीणा, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह तथा अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार ने शुक्रवार को गढ़मुक्तेश्वर और सिंभावली क्षेत्र के कांवड़ मार्गों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने नहर पटरी, संवेदनशील स्थलों तथा प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता, अनुशासन और मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखे। डीएम और एसपी ने बैरिकेडिंग, डायवर्जन व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे तथा किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है, जिसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे और उन्हें यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

# रामलीला ग्राउंड में सोशल वेलफेयर क्लब का तीन दिवसीय विशाल भंडारा जारी: अमित गोयल

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**चांदपुर।** सोशल वेलफेयर क्लब, चांदपुर द्वारा नगर के रामलीला ग्राउंड में तीन दिवसीय विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भंडारा 7 अगस्त 10 अगस्त तक चलेगा। भंडारा समाजसेवी अमित गोयल की देखरेख में सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। बड़ी संख्या में शिवभक्त एवं श्रद्धालु प्रतिदिन भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। समाजसेवी अमित गोयल ने सभी शिवभक्तों से अपील करते हुए कहा कि जो भी श्रद्धालु रामलीला ग्राउंड से होकर गुजरें, वे भंडारे में अवश्य पधारें और प्रसाद ग्रहण करके ही आगे जाएं। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना सौभाग्य की बात है और भंडारा पूरी श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ निरंतर जारी रहेगा। समाजसेवी आशु गोयल भंडारे में दिन-रात शिव भक्तों की सेवा में लगे रहते हैं। भंडारे को सफल में सोशल वेलफेयर क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य पूरी निष्ठा से सेवा कार्य में जुटे हुए हैं।

# जमीनी विवाद में युवक से मारपीट के आरोप में एसआई निलंबित

**त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)।** त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद के मामले में थाने पहुंचे युवक से कथित मारपीट के आरोप में उपनिरीक्षक विशेश्वर प्रसाद को निलंबित कर दिया गया। मामले ने तूल पकड़ने के बाद पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन से कार्रवाई की मांग की थी। जानकारी के अनुसार, बेंव मुस्तहकम गांव में जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों को त्रिलोकपुर थाने बुलाया गया, जहां थाना प्रभारी की मौजूदगी में समझौते का प्रयास किया गया। आरोप है कि समझौते के बाद एक पक्ष के राममूरत मौर्य ने उपनिरीक्षक विशेश्वर प्रसाद से अलग से बातचीत की। इसके बाद उपनिरीक्षक ने दूसरे पक्ष के गुलशन कश्यप को बुलाकर उसके साथ मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि दरोगा ने उसके बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया और सीने पर पैर रखकर दबाया। घटना की सूचना मिलने पर पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी थाने पहुंचे और पुलिस अधीक्षक से फोन पर वार्ता कर दोषी पुलिसकर्मी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। मामले का संज्ञान लेते हुए एसपी ने उपनिरीक्षक विशेश्वर प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# रामपुर की मशीयत फातमा का स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर में चयन

## सब जूनियर यूपी टीम की खिलाड़ी ने मेहनत के दम पर हासिल की सफलता, गोलकीपर के रूप में हुआ चयन

**वेलकम इंडिया/गुलजार आलम**

**रामपुर।** जिले की उभरती हुई हॉकी खिलाड़ी मशीयत फातमा ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हॉकी कोच फरहत अली खान की 12 वर्षीय पुत्री मशीयत फातमा का चयन वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर में हो गया है। उनके चयन की खबर मिलते ही जिले के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और खेल विभाग में खुशी का माहौल है। मशीयत फातमा का चयन कक्षा छह में गोलकीपर के रूप में हुआ है। वह रामपुर स्थित आइडेंटिटी एजुकेशनल एकेडमी, बगी की छात्रा रही हैं। कम उम्र में ही उन्होंने हॉकी के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और उत्तर प्रदेश की सब जूनियर हॉकी टीम का हिस्सा बनकर कई प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। वर्ष 2026 में मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आयोजित स्कूल नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया, जहां टीम ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। उनके लगातार बेहतर प्रदर्शन और गोलकीपिंग कौशल के आधार पर उनका चयन प्रदेश के प्रतिष्ठित वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर के लिए किया गया। जानकारी के अनुसार, स्पोर्ट्स कॉलेज की चयन प्रक्रिया में प्रदेशभर से दो हजार से अधिक बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया था। शारीरिक दक्षता, खेल कौशल और मेडिकल परीक्षण के बाद केवल 11 खिलाड़ियों का अंतिम चयन हुआ, जिनमें रामपुर की मशीयत फातमा भी शामिल हैं। इसे जिले के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

मशीयत के पिता एवं हॉकी कोच फरहत अली खान ने कहा कि उनकी बेटी ने यह मुकाम अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण से हासिल किया है। उन्होंने कहा कि मशीयत ने न केवल परिवार बल्कि पूरे रामपुर का गौरव बढ़ाया है। उन्हें विश्वास है कि वह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और जिले का नाम और ऊंचा करेगी। मशीयत के चयन पर जिले के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# ऑपरेशन प्रहार: 2.092 किलो चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी सीज

## बागेश्वर पुलिस की एक सप्ताह में तीसरी कार्रवाई, एसओजी और कपकोट पुलिस की संयुक्त टीम ने दबोचे गये तस्कर

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

बागेश्वर। जनपद में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बागेश्वर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा के निर्देशन में एसओजी/एएनटीएफ और कपकोट थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो अंतरजनपदीय तस्करों को 2 किलो 92 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया है। तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी पुलिस ने सीज कर दिया है। यह एक सप्ताह के भीतर नशा तस्करों के खिलाफ तीसरी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी जितेंद्र मेहरा ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सभी थाना प्रभारियों और विशेष टीमों को लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में एसओजी प्रभारी निरीक्षक सल्लाउद्दीन खान के पर्यवेक्षण तथा टीम में तैनात उपनिरीक्षक जीवन सामंत के नेतृत्व में शामा बैंड तिराहे के पास चेकिंग अभियान चलाया गया।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने संदिग्ध स्कूटी यूके-01-टीए-4544 को रोककर तलाशी ली। तलाशी में स्कूटी सवार राहुल वर्मा निवासी बरेली और रोहित सिंह निवासी दुर्गानगर, बरेली के कब्जे से 2.092 किलोग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे इस चरस को बरेली ले जाकर ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी जब्त कर सीज कर दिया गया है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में भी लगी हुई है।

एसपी जितेंद्र मेहरा ने कहा कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि कहीं स्मैक, चरस या अन्य मादक पदार्थों की तस्करी की जानकारी मिले तो पुलिस के सरकारी अथवा टोल फ्री नंबर पर तत्काल सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। एसपी ने बताया कि इससे पहले भी जिले में स्मैक तस्करी में लिप्त कई प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है और भविष्य में भी नशे के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई को सफल बनाने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक जीवन सामंत, कांस्टेबल कुलदीप वर्मा, भुवन बोरा, रमेश सिंह, संतोष सिंह तथा चालक विजय कुमार सहित एसओजी और कपकोट थाना पुलिस के अन्य जवान शामिल रहे।

# नाबार्ड योजना के तहत पॉलीहाउस लाभार्थियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**बागेश्वर।** नाबार्ड की ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि योजना के तहत निर्मित पॉलीहाउसों के माध्यम से उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु विकास भवन सभागार में शुक्रवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के तीनों विकासखंडों से आए पॉलीहाउस लाभार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने कहा कि आधुनिक एवं तकनीक आधारित कृषि आज के समय में स्वरोजगार का एक अत्यंत सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि पॉलीहाउस तकनीक को अपनाकर किसान ऑफ-सीजन सब्जियों, व्यावसायिक फूलों तथा अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों का गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर अपनी आजीविका और आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान कृषि एवं उद्यान विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को पॉलीहाउस प्रबंधन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं,उन्नत बीजों का चयन, वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन एवं सूक्ष्म सिंचाई तकनीक,प्रभावी रोग एवं कीट नियंत्रण उपाय, कोल्ड स्टोरेज तथा सुरक्षित भंडारण की विधियां,उत्पादों के बेहतर विपणन की रणनीति पर विस्तृत जानकारी के साथ उद्यान विभाग द्वारा संचालित 'सचल दल' की सेवाओं की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने कृषकों को बाजार की मांग के अनुरूप फसलों का चयन कर अधिकतम लाभ अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी हरीश चंद्र आर्या, कृषि विज्ञान केंद्र बागेश्वर के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. राजकुमार, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं जनपद के प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

# डंगोली में सम्पन्न हुई भाजपा कंधार मंडल की मासिक बैठक

**वेलकम इंडिया/दिनेश नेगी**

**गरुड़।** भारतीय जनता पार्टी मंडल कंधार की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष दिनेश बिष्ट की अध्यक्षता में डंगोली में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या,बागेश्वर विधायक पार्वती दास किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र परिहार,गरुड़ ब्लॉक प्रमुख किशन बोरा तथा भाजपा जिला महामंत्री घनश्याम जोशी विशेष रूप से उपस्थित होकर कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया। बैठक में संगठनात्मक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने, प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित विकास कार्यों और उपलब्धियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी 'मन की बात', 'हर घर तिरंगा' अभियान एवं संगठन के अन्य आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक का समापन संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के संकल्प के साथ हुआ। बैठक में मंडल प्रभारी हरीश रावत, मंगल सिंह राणा, गोपाल किरमोलिया, मनोज कुमार, कमलेश पांडे, गोविंद गिरी, राजेश्वरी देवी मोहन जोशी, कपिल परिहार, दान सिंह फर्स्वाण, बलवंत भंडारी, दिगपाल भंडारी, हरीश कुमार, आकाश रावत राजेंद्र जोशी सहित मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# ऑपरेशन 'प्रहार': 23 बदमाश गिरफ्तार; 390 मोबाइल, 66 वाहन और करोड़ों की संपत्ति बरामद

## 72 घंटे चले विशेष अभियान में 150 पुलिसकर्मी रहे शामिल, शादी के लिए जुटाई गई 12 लाख की ज्वैलरी भी बरामद

**वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी**

**नई दिल्ली।** राजधानी में स्ट्रीट क्राइम, चोरी, लूट और स्नेचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली पुलिस की उत्तरी रेंज द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत उत्तर-पश्चिम जिले में 72 घंटे के विशेष अभियान में बड़ी सफलता मिली है। अभियान के दौरान पुलिस ने 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर करोड़ों रुपये की चोरी और लूट की संपत्ति बरामद की है। बरामदगी में 390 मोबाइल फोन, 66 चोरी के वाहन, अवैध हथियार और लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण शामिल हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह ने बताया कि यह विशेष अभियान 4 से 6 अगस्त तक पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चलाया गया। अभियान में 15 विशेष टीमें और करीब 150 पुलिसकर्मियों को लगाया गया था। स्थानीय थाना पुलिस के अलावा एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) और एंटी-बर्गलरी सेल की टीमों ने भी संयुक्त रूप से कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें शातिर चोर, लुटेरे, स्नैचर, पैरोल जंपर और कानून का उल्लंघन करने वाले किशोर भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 390 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके अलावा 66 चोरी के दोपहिया और चारपहिया वाहन, 19 अवैध हथियार तथा 21 धारदार चाकू भी बरामद किए गए। साथ ही करीब 62 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण भी पुलिस ने जब्त किए हैं। मोबाइल बरामदगी में सबसे अधिक 60 मोबाइल सुभाष प्लेस थाना, 46 जहांगीरपुरी, 36 भारत नगर, 35 शालीमार बाग, 27 मुखर्जी नगर, 23-23 आदर्श नगर और अशोक विहार, 22 मॉडल टाउन, 15 केशवपुरम, 14 मौर्य एन्क्लेव, 7 महिंद्रा पार्क, जबकि एएटीएस ने 27 और एंटी-बर्गलरी सेल ने 7 मोबाइल बरामद किए।

अभियान के दौरान पुलिस ने एक चर्चित चोरी के मामले का भी शत-प्रतिशत खुलासा किया। डीसीपी आकांक्षा यादव के नेतृत्व में एंटी-बर्गलरी सेल की टीम ने एक परिवार की बेटी की शादी के लिए रखी गई नकदी और ज्वैलरी चोरी करने वाले दो मुख्य आरोपियों ध्रुव उर्फ कुणाल और पंकज उर्फ होली को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों पर पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 12 लाख रुपये की ज्वैलरी और 65 हजार रुपये नकद बरामद कर लिए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी चोरी और स्नेचिंग के गहने अपनी मां को देते थे, जो उन्हें गोल्ड फाइनेंस कंपनियों में गिरवी रखकर ऋण ले लेती थी। इस मामले में संबंधित महिला को भी नामजद किया गया है।

पुलिस ने चोरी के मोबाइल खरीदकर उनके पार्ट्स बेचने वाले तीन रिसीवर अनवर मलिक, आफताब और रूप कुमार को भी गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि ये आरोपी मोबाइल फोन को खोलकर उनके स्पेयर पार्ट्स करोल बाग की ग्रे मार्केट में बेचते थे। संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह ने अभियान की सफलता पर डीसीपी आकांक्षा यादव और पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि गिरफ्तार अपराधियों का नेटवर्क केवल उत्तर-पश्चिम जिले तक सीमित नहीं था, बल्कि दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सक्रिय था। उन्होंने कहा कि राजधानी में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए भविष्य में भी ऑपरेशन प्रहार जैसे विशेष अभियान लगातार चलाए जाएंगे।

# तीन महीने में तीसरी घटना, गोपाल हॉस्पिटल फिर सवालों के घेरे में

**वेलकम इंडिया/महमूद रजा**

**बिजनौर।** शहर स्थित गोपाल हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों में आ गया है। हल्दौर के पत्रकार संजीव मिश्रा की 7 वर्षीय गोद ली हुई बच्ची की उपचार के दौरान मौत हो जाने के बाद परिजनों और अधिवक्ताओं ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

बताया गया कि बच्ची को बुखार की शिकायत होने पर बुधवार को गोपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया।

परिजनों का आरोप है कि इलाज में गंभीर लापरवाही बरती गई। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे और डॉक्टर पंकज चौधरी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदारों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आरोप है कि घटना के बाद डॉक्टर पंकज चौधरी अस्पताल से चले गए। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले लगभग तीन महीनों में गोपाल हॉस्पिटल में इस तरह की यह तीसरी गंभीर घटना है, जिससे अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, इस मामले में अस्पताल प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आया है। मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की जा रही है।

# लखनऊ में मुख्यमंत्री से मिले विधायक बाबूराम पासवान, पूरनपुर के विकास और किसानों के हितों से जुड़े मुद्दे उठाए

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पूरनपुर/पीलीभीत।** पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम पासवान ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास, बिजली व्यवस्था, सड़क निर्माण और किसानों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर अलग-अलग मांग पत्र भी सौंपे।बैठक में विधायक बाबूराम पासवान ने पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों के कारण लगातार बिजली आपूर्ति बाधित होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि ओवरलोड होने से ट्रांसफार्मर बार-बार जल रहे हैं और खराब हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना करना पड़ता है। उन्होंने क्षेत्र में आवश्यकतानुसार अधिक क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाए जाने तथा खराब ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदले जाने की मांग की, ताकि लोगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सके। इसके अलावा विधायक ने प्रमुख सचिव (लोक निर्माण विभाग) को पत्र देकर पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के दो प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जल्द शुरू कराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन मार्गों की स्थिति बेहतर होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

विधायक बाबूराम पासवान ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए 'दि किसान सहकारी चीनी मिल' की मरम्मत, तकनीकी सुधार और उसके सुचारू संचालन की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि चीनी मिल के बेहतर संचालन से क्षेत्र के हजारों गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी जनहित के विषयों को गंभीरता से सुना। दोनों नेताओं ने संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई कर जनहित के कार्यों को शीघ्र स्वीकृति एवं समाधान दिलाने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि बिजली, सड़क और किसानों से जुड़े लंबित कार्यों में अब तेजी आएगी तथा विकास योजनाओं को जल्द धरातल पर उतारा जाएगा।

# फोन नहीं उठाते सीएमओ, मरीज बेहाल!

## स्वास्थ्य व्यवस्था पर भाकियू भानू का हल्ला बोल, आंदोलन की चेतावनी

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पीलीभीत।** जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए मोर्चा खोल दिया है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सीएमओ न तो किसान नेताओं के फोन उठाते हैं और न ही स्थानीय पत्रकारों के कॉल का जवाब देते हैं, जिससे आम जनता की समस्याओं का समाधान प्रभावित हो रहा है।भाकियू (भानू) के मंडल अध्यक्ष लालू मिश्रा और जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता ने कहा कि कई बार सीएमओ से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। कभी बैठक में व्यस्त होने की बात कही जाती है, लेकिन बैठक समाप्त होने के बाद भी शिकायतकर्ताओं को वापस कॉल कर उनकी समस्या जानने की कोई पहल नहीं की जाती। उनका कहना है कि शासन लगातार अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने और जनता की शिकायतें सुनने के निर्देश देता है, ऐसे में जिले के स्वास्थ्य विभाग के सर्वोच्च अधिकारी का फोन पर उपलब्ध न होना गंभीर चिंता का विषय है।किसान नेताओं ने जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं पर भी नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि अस्पताल में कई स्थानों पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। कई वार्डों और प्रतीक्षालयों में पंखे ठीक से संचालित नहीं हो रहे हैं, जिससे उमस भरे मौसम में मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावे केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।भाकियू (भानू) पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार कराया जाए और अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं हुआ और सीएमओ की कार्यशैली में बदलाव नहीं आया तो जिलाधिकारी से मिलकर पूरे मामले की शिकायत की जाएगी। इसके बावजूद भी कार्रवाई नहीं होने पर संगठन धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। किसान नेताओं ने स्पष्ट कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाले हालात की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

# युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। शादी का झांसा देकर युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही अपहृत युवती को भी सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंपने की आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना कोतवाली खलीलाबाद की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी तबरेज पुत्र नईम उर्फ भकोले निवासी मड़या, थाना कोतवाली खलीलाबाद को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के पिता ने 2 अगस्त 2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री को आरोपी शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद में मु0अ0सं0 0711/2026 के तहत धारा 87 एवं 351(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर लगातार दबिश दी और तकनीकी साक्ष्यों तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान अपहृता को भी सकुशल बरामद कर लिया गया।

# कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था पर डीएम-एसपी का फोकस, यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पीलीभीत।** सावन माह में निकल रही कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने संयुक्त रूप से कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण शाही थाना क्षेत्र से शुरू होकर लाल रोड होते हुए तहसील चौराहे (कोतवाली क्षेत्र) तक किया गया। अधिकारियों ने यात्रा मार्ग पर बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा की स्थिति उत्पन्न न होने पाए और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाएं।जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कहा कि यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी और प्रत्येक संवेदनशील स्थान पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।पुलिस प्रशासन के अनुसार जनपद के सभी प्रमुख कांवड़ मार्गों, मंदिरों एवं संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन कैमरों तथा अन्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष प्लान लागू किया गया है।प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें, यातायात नियमों का पालन करें तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा प्रशासन को सूचना दें।निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तरह सुनिश्चित की जा रही हैं।

# गुनाहगारो के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी: दीपक चौहान

**गुलजार आलम/वेलकम इंडिया**

**रामपुर।** थाना गंज क्षेत्र के पीला तालाब चैकी इंचार्ज दीपक चैहान ने एक महीने पहले चैकी का चार्ज ग्रहण करने के साथ ही कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम शुरू कर दिया हैं।

नवनियुक्त चैकी प्रभारी दीपक चैहान ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता क्षेत्र में शांति बनाये रखना हैं। पीड़ितों का हर हाल में इंसाफ दिलाया जायेगा और गुनाहगारो के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि क्षेत्र की जनता को साथ लेकर पुलिस और जनता के बीच अच्छे संबंध बनाने का काम किया जायेगा ताकि लोग पुलिस से डरे नहीं बल्कि उन्हे अपना रक्षक समझे और यह काम जमीनी स्तर पर करना हैं। उन्होने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री व पुलिस अधीक्षक के आदेशों के मुताबिक जीरो टारलेंस नीति पर काम करते हुए अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को उनकी सही जगह जेल भेजना हैं ताकि जनता भयमुक्त होकर अपना जीवन यापन कर सकें। दीपक चैहान ने कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जायेगा और उनकी गुणवत्तापूर्वक शीघ्र निस्तारण किया जायेगा। उन्होने अपराधियों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनके क्षेत्र में रहना हैं तो शरीफ बनकर रहना होगा नहीं तो उनके खिलाफ ऐसी कानूनी कार्यवाही करेगी जिसके बारे में उन्होने कभी सोचा भी नहीं होगा।

# सक्षम/समर्थ/दक्ष मॉड्यूल पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मथुरा/बलदेव।** जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मथुरा में परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों हेतु चल रहे सक्षम/समर्थ/दक्ष मॉड्यूल आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों, इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को वरिष्ठ प्रवक्ता जेपी सुमन द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विदित रहे कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.), उत्तर प्रदेश द्वारा विकसित 'सक्षम/समर्थ/दक्ष' मॉड्यूल के माध्यम से मथुरा जनपद के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को विद्यालय नेतृत्व एवं प्रबंधन, शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन, विद्यालय विकास योजना,निपुण भारत मिशन, वित्तीय एवं डिजिटल प्रबंधन, विद्यालय में सकारात्मक कार्य, सामुदायिक सहभागिता तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं वेल-बीइंग जैसे समसामयिक विषयों पर व्यवहारिक ज्ञान एवं कौशल प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में डाइट प्रवक्ताओं के द्वारा विभिन्न विषयों को विस्तार से समझाया गया। प्रशिक्षण में विकास खंड बलदेव से सीमा वर्मा, आशा अग्रवाल, मंगलजीत सिंह, दीपक तिवारी, दाऊ दयाल, सुमित कुमार, देवेंद्र सिंह, शैलेश कुमार, देवेंद्र पाल सिंह, सुजीत कुमार वर्मा आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया।

# महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा, धनपति वर्मा का जनसंपर्क अभियान जारी

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**बरखेड़ा/पीलीभीत।** समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एडवोकेट धनपति वर्मा ने शुक्रवार, 7 अगस्त को 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क एवं भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने ग्राम बरखेड़ा, गाजीपुर कुंडा, बहादुरपुर हुक्मी, नकटा उर्फ मुरादाबाद, मचवाखेड़ा, गुलड़हा, इमलिया फूटाकुआं, ज्योहरा कल्यानपुर, सिमरिया ताराचंद, गाजीपुर मुगल, रायपुर, पौटा कलां, खमरिया पड़री एवं पड़री खमरिया का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं और उन्हें हरसंभव समाधान के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया।जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ खड़ी रहने वाली पार्टी रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की वर्तमान सरकार महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और बिगड़ती कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों पर पूरी तरह असफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि आज युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए परेशान हैं और आम जनता लगातार बढ़ती महंगाई से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हर वर्ग की आवाज बनकर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष कर रही है।

# गोवर्धन धाम पहुंचीं एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ, श्री गिरिराज महाराज का किया दुग्धाभिषेक

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मथुरा/गोवर्धन।** कानपुर जोन की अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अनुपम कुलश्रेष्ठ शुक्रवार को विश्वविख्यात तीर्थस्थल गोवर्धन धाम पहुंचीं। उन्होंने मुकुट मुखारविंद मंदिर में भगवान श्री गिरिराज महाराज के दर्शन कर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दुग्धाभिषेक और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में शांति, समृद्धि, जनकल्याण तथा सभी के सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

मंदिर पहुंचने पर मंदिर सेवायतों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पूजा-अर्चना के दौरान एडीजी ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा परंपरा और गोवर्धन धाम की धार्मिक महत्ता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। दर्शन के समय मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही और सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह मुस्तैद रही। इस अवसर पर उनके साथ सीओ सिटी आशना चौधरी, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, अंशु कौशिक, थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्रा, गणेश पहलवान सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक गिरिराज महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा-अर्चना संपन्न होने के बाद एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ ने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात की। उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही सुनिश्चित की गई थीं, जिससे दर्शन-पूजन का कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उनके गोवर्धन आगमन को श्रद्धालुओं ने भी विशेष महत्व का अवसर माना।

# डायट बांसी में आयोजित हुआ एनसीएससी मार्गदर्शिका का विमोचन

**बांसी/सिद्धार्थनगर।** राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की मार्गदर्शिका का विमोचन उप प्राचार्य लालजी कुमार पांडेय, वरिष्ठ प्रवक्ता अनिल मिश्र, रामचंद्र मौर्य, श्रवण कुमार ने शुक्रवार को डायट बांसी में किया। कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि को विकसित करने के लक्ष्य को लेकर राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस छात्र-छात्राओं को अवसर प्रदान कर रही है। इसकी सार्थकता तभी होगी जब प्रत्येक विद्यार्थी अपने परिवेश से जुड़ी समस्याओं के वैज्ञानिक निदान के लिए तत्पर हो। एनसीएससी के जिला समन्वयक अंशुमान सिंह ने बताया कि इस वर्ष के आयोजन का मुख्य विषय ₹सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार₹ निर्धारित किया गया है। इस प्रतियोगिता में 10-14 वर्ष के छात्र जूनियर और 14-17 वर्ष के सीनियर आयु वर्ग के विद्यार्थी अपने आसपास की किसी स्थानीय समस्या को चुनकर उसके समाधान पर एक लघु शोध पत्र तैयार करेंगे। बताया कि छात्र दो-दो के समूह में आधिकारिक वेबसाइट पर 15 अगस्त तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। अंशुमान सिंह ने उत्कृष्ट प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए मार्गदर्शक शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित करने की आवश्यकता बताई है।

# उर्स ए हशमती मुशाहिदी पर अकीदतमंदों ने की चादरपोशी

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पीलीभीत।** उर्स ए हशमती मुशाहिदी के अवसर पर गुरुवार शाम धार्मिक आस्था और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। अकीदतमंदों ने दरगाह शरीफ पर चादरपोशी और गुलपोशी कर मुल्क में अमन, चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। इस दौरान बड़ी संख्या में जायरीन और समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ घुँघट मैरिज हॉल से हुआ, जहां से मौलाना इरफानुल हक कादरी, प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी, की कयादत में चादरों का भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल अकीदतमंद मनकबत और नात पढ़ते हुए पूरे अकीदत के साथ दरगाह शरीफ पहुंचे। रास्ते भर धार्मिक नारों और इबादत के माहौल ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। दरगाह शरीफ पहुंचने पर सज्जादानशीन हजरत मौलाना जरताब रजा खां ने सभी अकीदतमंदों का स्वागत किया। इसके

बाद दरगाह पर चादर और फूल पेश किए गए तथा विशेष दुआ कराई गई। दुआ में देश और प्रदेश में अमन-चैन, सामाजिक सौहार्द, तरक्की और इंसानियत की सलामती की कामना की गई।इस अवसर पर मौलाना इरफानुल हक कादरी ने कहा कि सूफी संतों की शिक्षाएं हमेशा प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का संदेश देती हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी लोगों से आपसी प्रेम और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की।समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों ने भी दरगाह पर चादर व गुलपोशी पेश कर दुआ में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में राजकुमार राजू, नोमान अली वारसी, मौलाना आरिफ हशमती, मखदूम खां, रियाज खां, गुलहसन खां, असलम खां, सईदुर्रहमान खां, तौफीक सलमानी, छोटे खां, आकिम खां सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, अनुशासन और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

# हजरत हशमत अली खां रहमतुल्लाहि तआला अलैह के उर्स में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, देश की तरक्की के लिए हुई दुआ

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**पीलीभीत।** हजरत हशमत अली खां रहमतुल्लाहि तआला अलैह के सालाना उर्स-ए-हशमती का समापन गुरुवार को कुल शरीफ की रूहानी महफिल के साथ अकीदत और एहतराम के माहौल में संपन्न हुआ। उर्स में देश के विभिन्न राज्यों से आए हजारों जायरीन ने दरगाह पर हाजिरी देकर चादरपोशी की और अमन, चैन तथा खुशहाली की दुआएं मांगी। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा और जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ती रही।कुल शरीफ की महफिल में हजरत हशमत अली खां रहमतुल्लाहि तआला अलैह के साहबजादे हजरत मुफ्ती इदरीस रजा खां हशमती ने देश की तरक्की, आपसी एकता, भाईचारे और विश्व शांति के लिए विशेष दुआ कराई। उन्होंने अपने

बयान में कहा कि सूफी संतों की शिक्षाएं इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का संदेश देती हैं। समाज को नफरत से दूर रहकर प्रेम, सद्भाव और सेवा के रास्ते पर चलना चाहिए।उर्स के अवसर पर सिटी पैलेस में हसनी-हुसैनी हशमती लंगर का भी भव्य आयोजन किया गया। यहां हजारों की संख्या में गरीब, जरूरतमंद और जायरीन को भोजन कराया गया। लंगर में लोगों ने बढ़-चढ़कर सेवा की और सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की। जायरीनों ने लंगर की व्यवस्था की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।पूरे आयोजन के दौरान दरगाह परिसर और आसपास का क्षेत्र जायरीनों से गुलजार रहा। कुल शरीफ के बाद उर्स के सफल समापन की घोषणा की गई। धार्मिक कार्यक्रमों में दूर-दराज से आए अकीदतमंदों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उर्स की रौनक को और बढ़ाया। इस अवसर पर मौलाना मनाहिल रजा खां, मौलाना शमाहिल रजा खां सहित अनेक उलेमा-ए-किराम, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने उर्स के सफल आयोजन पर खुशी जताते हुए इसे आपसी भाईचारे, इंसानियत और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। आयोजन समिति ने सभी जायरीनों, सहयोगियों और प्रशासन का शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

# हाईकोर्ट से गंगा एक्सप्रेस-वे तक, धामी कैबिनेट में लिये गये कई अहम फैसले

## पशुपालकों, श्रमिकों, छात्रों और खेल क्षेत्र से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी, गौ पालन योजना का दायरा भी बढ़ाया गया

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तराखंड कैबिनेट बैठक में जनहित, ग्रामीण विकास, कृषि, श्रमिक कल्याण, शिक्षा, न्यायिक आधारभूत ढांचे, पर्यटन, खेल और औद्योगिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद महानिदेशक सूचना एवं अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी ने प्रेस वार्ता में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट ने हल्द्वानी के लामाचौड़ क्षेत्र में उपलब्ध वन भूमि में से लगभग 30 हेक्टेयर भूमि उच्च न्यायालय परिसर के निर्माण के लिए हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सरकार का मानना है कि नए परिसर के निर्माण से न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और न्यायिक कार्यों के संचालन में आसानी होगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने गौ पालन योजना का दायरा बढ़ाने का फैसला किया है। अब इस योजना का लाभ सामान्य वर्ग के पशुपालकों को भी मिलेगा। लाभार्थी गाय के साथ-साथ भैंस भी खरीद सकेंगे। पशु की यूनिट लागत 40 हजार रुपये से बढ़ाकर 60 हजार रुपये कर दी गई है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लाभार्थियों को 90 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग को 60 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। सरकार का अनुमान है कि पहले चरण में करीब 2,100 से अधिक पशुपालकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा और पलायन रोकने में भी मदद मिलेगी।

श्रमिकों के हित में कैबिनेट ने उत्तराखंड मजदूरी संहिता नियमावली-2026 लागू करने का निर्णय लिया। नए नियमों के तहत न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, हर माह की सात तारीख तक वेतन, डिजिटल भुगतान और समान कार्य के लिए महिला एवं पुरुष को समान वेतन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा औद्योगिक संबंध नियमावली-2026 को भी मंजूरी दी गई, जिसमें औद्योगिक विवादों के समयबद्ध निस्तारण, ट्रेड यूनियनों की मान्यता, शिकायत निवारण समितियों के गठन और श्रमिक री-स्किलिंग फंड जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। समाज कल्याण विभाग के अधीन संचालित छात्रावासों के लिए नई संचालन नियमावली लागू करने का निर्णय लिया गया, जिससे अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को बेहतर आवास, भोजन और शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। वहीं उत्तराखंड राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय, गौलापार (हल्द्वानी) के संचालन के लिए 122 नियमित पदों के सृजन को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही तकनीकी और सहायक स्टाफ की नियुक्ति आउटसोर्सिंग के माध्यम से किए जाने का भी निर्णय लिया गया, ताकि खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर खेल सुविधाएं मिल सकें। पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ईको टूरिज्म के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की संरचना में संशोधन किया गया है। समिति में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण, जड़ी-बूटी प्रबंधन, कूड़ा निस्तारण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को और मजबूत किया जा सके। कैबिनेट ने केंद्र सरकार के संशोधनों के अनुरूप उत्तराखंड माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 में संशोधन के लिए अध्यादेश लाने को भी मंजूरी दी। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के अनुरूप सहकारी समिति नियमावली में संशोधन कर कुष्ठ रोग से जुड़े भेदभावपूर्ण प्रावधान हटाने का निर्णय लिया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार ग्रामीण पेयजल योजनाओं को ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया। वहीं उत्तराखंड वन विकास निगम में स्केलर पदों की भर्ती के लिए 100 अंकों की लिखित परीक्षा लागू करने का फैसला लिया गया, जिससे चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष हो सके। बैठक का एक अहम फैसला उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच गंगा एक्सप्रेस-वे को मेरठ से हरिद्वार तक विस्तारित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी देना रहा। सरकार का कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने से हरिद्वार तक सड़क संपर्क बेहतर होगा, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, औद्योगिक निवेश आकर्षित होगा और दोनों राज्यों में व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कैबिनेट के इन फैसलों को राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास, ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने डॉ. वी.डी.शर्मा को सौंपी उत्तराखंड की जिम्मेदारी

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**देहरादून।** वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वी.डी.शर्मा को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद उत्तराखंड का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण प्रमोद कुमार मिश्रा ने उनके मनोनयन का आधिकारिक पत्र जारी कर संगठन की कमान उनके हाथों में सौंपी है। उत्तराखंड में परिषद के विस्तार और सांगठनिक मजबूती को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इससे पहले डॉ. शर्मा संगठन में प्रदेश महामंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। लंबे समय से कैडर में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर पकड़ के चलते राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। पत्रकारिता के साथ-साथ डॉ. शर्मा करीब आधा दर्जन सामाजिक और जनहित से जुड़ी संस्थाओं में वरिष्ठ ओहदों पर काबिज हैं। वह लगातार ब्राह्मण समाज के अधिकारों की आवाज उठाते रहे हैं। समाज के संरक्षण और जनकल्याणकारी कार्यों में उनकी सक्रियता हमेशा से देखी गई है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्रा और केंद्रीय समिति का मानना है कि डॉ. शर्मा के लंबे सामाजिक अनुभव से संगठन को नई दिशा मिलेगी। राज्य भर में फैले ब्राह्मण समुदाय के बीच एकजुटता, आपसी भाईचारे और सुरक्षा के माहौल को सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखा गया है। मनोनयन की खबर सामने आते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। केंद्रीय नेतृत्व ने उनके दीघार्यु, स्वस्थ जीवन और सफल कार्यकाल की कामना की है। वहीं देहरादून समेत पूरे प्रदेश के पत्रकारिता जगत और सामाजिक संगठनों में खुशी का माहौल है।

## रुपयों के लेनदेन को लेकर महिला से मारपीट का आरोप, कार्रवाई की मांग

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**कांधला।** कस्बे की एक महिला ने रुपयों के लेनदेन के विवाद में पड़ोस के दो व्यक्तियों व उनके परिवार की महिलाओं पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। शुक्रवार को कस्बे के घसोली मार्ग निवासी महिला नसकीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मोहल्ला खेल निवासी एक व्यक्ति पर उसके रुपये बकाया थे। वह अपने रुपये लेने के लिए उसके घर पहुंची थी। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने उसे कमरे में बंद कर लिया और परिवार की महिलाओं के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने मारपीट का वीडियो भी अपने मोबाइल फोन से बना लिया।पीड़िता का कहना है कि वह किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर अपने घर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने उसका मेडिकल परीक्षण कराया और आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में पीड़ित महिला को जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

## डीए और बोर्ड परीक्षा पारिश्रमिक भुगतान को लेकर शिक्षक संघ ने डीआईओएस को सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) उपेंद्र कुमार से मुलाकात कर शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से वार्ता हुई। संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि बजट उपलब्ध होने के बावजूद शिक्षकों का महंगाई भत्ता (डीए) भुगतान लंबित है। इसके अलावा चयन वेतनमान, प्रोन्नत वेतनमान, पदोन्नति तथा अन्य लंबित मामलों का भी समय से निस्तारण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनपीएस से जीपीएफ में आए शिक्षकों की धनराशि अब तक उनके जीपीएफ खातों में स्थानांतरित नहीं की गई है। वहीं हरिहरपुर इंटर कॉलेज के कई शिक्षकों के चयन

वेतनमान के एरियर का भुगतान मार्च 2022 से लंबित है। प्रतिनिधिमंडल ने हरिहरपुर, मेहदूपार, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज तथा प्रहलाद राय बालिका इंटर कॉलेज के शिक्षकों के सामूहिक जीवन बीमा भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा भी उठाया। साथ ही बेलहर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के वेतन भुगतान का मामला भी रखा गया। जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार ने बताया कि कई विद्यालयों के प्रधानाचार्यों द्वारा अभी तक डीए के बिल कार्यालय में जमा नहीं किए गए हैं, जिसके कारण भुगतान में विलंब हो रहा है। उन्होंने संबंधित विद्यालयों से शीघ्र बिल उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि बोर्ड परीक्षा के कक्ष निरीक्षकों के पारिश्रमिक भुगतान के लिए सभी विद्यालय तत्काल अपने बिल जमा करें, ताकि भुगतान प्रक्रिया बिना देरी पूरी की जा सके। बैठक में शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष महेश राम, जिला मंत्री गिरजानंद यादव, प्रधानाचार्य अवध राज, अनिल पासवान, सुरेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

## मारपीट के बाद मछली फार्म पर फायरिंग करने का लगाया आरोप

**कांधला (वेलकम इंडिया)।** थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही कई युवकों पर मारपीट करने और बाद में उसके मछली फार्म पर पहुंचकर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत निवासी उमेश पुत्र इस्लाम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत गुरुवार को गांव के कुछ युवक उसके भतीजे के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। शोर सुनकर वह मौके पर पहुंचा और विरोध किया। आरोप है कि इस दौरान युवकों ने उसके और उसके भतीजे के साथ डंडों से मारपीट कर दी। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को बचाया।पीड़ित का आरोप है कि शाम के समय आरोपी उसके खेत पर बने मछली फार्म पर पहुंचे और वहां तमंचे से फायरिंग कर दहशत फैलाने का प्रयास किया। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 पुलिस को दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गए। पीड़ित ने थाने पहुंचकर नामजद तहरीर देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा परिवार की सुरक्षा कराने की मांग की है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## बारिश बनी आफत: दो सगे भाइयों के कच्चे मकानों की छत गिरी, हजारों रूपये का सामान मलबे में दबा

**वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी**

**कांधला।** नगर एवं क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते विकासखंड क्षेत्र की देहात कॉलोनी स्थित बिजलीघर मार्ग पर बड़ा हादसा टल गया। यहां दो सगे भाइयों के कच्चे मकानों की छत अचानक भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि परिवार के सदस्य समय रहते बाहर निकल आए, जिससे सभी की जान बच गई। हालांकि हादसे में हजारों रुपये का घरेलू सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया, जबकि परिवार के कुछ लोगों को मामूली चोटें भी आई हैं। विकासखंड क्षेत्र की देहात कॉलोनी निवासी जहीर और ताहिर सगे भाई हैं। दोनों के मकान साथ-साथ बने हुए हैं और उनकी छतें कच्ची हैं। परिजनों के अनुसार शुक्रवार तड़के सभी लोग मकान के भीतर सो रहे थे। तभी अचानक छत से मिट्टी और मलबा गिरने लगा। खतरे का आभास होते ही परिवार के सदस्य आनन-फानन में बाहर निकल आए। कुछ ही क्षण बाद दोनों मकानों की छत भरभराकर गिर गई।छत गिरने से घर में रखा घरेलू सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे परिवार को हजारों रुपये का नुकसान हुआ। हादसे के बाद परिवार दहशत में है और खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैपीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा क्षति का सर्वे कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

## शिवाला मंदिर के बाहर अतिक्रमण और गंदगी पर डीएम से शिकायत

**कांधला (वेलकम इंडिया)।** कस्बे के प्राचीन शिवाला मंदिर के आसपास अतिक्रमण और सफाई व्यवस्था को लेकर मंदिर ट्रस्ट ने नाराजगी जताई है। मंदिर ट्रस्ट की अध्यक्ष अधिवक्ता शालिनी कौशिक ने जिलाधिकारी से शिकायत कर अतिक्रमण हटवाने और सावन माह में नियमित सफाई कराने की मांग की है। शुक्रवार को अधिवक्ता शालिनी कौशिक ने बताया कि श्रावण माह शुरू होने से पहले भी मंदिर परिसर और आसपास साफ-सफाई कराने के लिए उप जिलाधिकारी कैराना से शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद नगर पालिका को आवश्यक निर्देश भी जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद मंदिर के आसपास सफाई नहीं कराई गई।उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने मंदिर के निकट अपने वाहन खड़े कर अतिक्रमण कर रखा है, जिससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सावन माह में मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के बावजूद सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है।मंदिर ट्रस्ट की अध्यक्ष ने मंदिर के बाहर क अतिक्रमण के फोटो वायरल कर एवं जिलाधिकारी से शिकायत कर मंदिर के आसपास से अतिक्रमण हटवाने, नियमित सफाई कराने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने की मांग की है।

## एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन, स्वास्थ्य शिविर में मरीजो की उमड़ी भीड़

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** शुक्रवार को एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर मूड़ाडिहा बेग सेमरियावां में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान फाइब्रो स्कैन (लीवर की जांच), हेपेटाइटिस बी की जांच, हेपेटाइटिस सी की जांच, फैटी लीवर जांच शिविर का आयोजन किया गया। बस्ती मंडल के अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर मूड़ाडिहा बेग सेमरियावा में किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज के एमडी मेडिसिन व पेट, सुगर, लीवर, हृदय तथा लकवा रोग विशेषज्ञ डॉ. गुलाम अख्तर तथा इमरजेंसी मेडिकल अफसर डॉ. अब्दुल कय्यूम की देखरेख में फाइब्रो स्कैन (लीवर की जांच), हेपेटाइटिस इ की जांच, हेपेटाइटिस उ की जांच, फैटी लीवर की निः शुल्क जांच एवं परामर्श, विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य शिविर में मरीजो की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतों की जांच भी कराई। एमडी शमशेर अहमद ने बताया कि एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर मूड़ाडिहा बेग सेमरियावां में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मशीन लगाई गई अब लोगों को लखनऊ या दिल्ली जाने की जरुरत नहीं है अब वह सभी सुविधाएं यहीं पर मिल रही है। अधिकतर लोग पेट सम्बन्धी दिक्कतों से परेशान होते हैं सही जांच नहीं होने से सही इलाज नहीं हो पाता है। जिसको देखते हुए यह स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 200 मरीज आये। इस अवसर पर डायरेक्टर डॉ. मुहम्मद अजमल, स्त्री प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुपमा गुप्ता, नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार चौधरी, एमडी शमशेर अहमद, डायरेक्टर डा. मुहम्मद अजमल, मुहम्मद मुकर्रम, मुजीबुल्लाह, शब्बीर अहमद, मुहम्मद आजम, जुरेज अहमद, गुफरान अहमद, तनवीर अहमद, बृजेश कुमार भारती, फरीदा, नादिया, शमां, सुनीता, आशीष, वहीदुर्रहमान, हीरा, नवसीन, ज्योति आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## घर से नकदी व जेवर लेकर युवती लापता, पिता ने लगे बरामद करने की गुहार

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**कांधला।** थाना क्षेत्र के एक गांव की 20 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। परिजनों का आरोप है कि युवती घर में रखी करीब 30 हजार रुपये की नकदी, मंगलसूत्र समेत सोने-चांदी के जेवरात और मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गई। पीड़ित पिता ने अज्ञात व्यक्ति पर पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से बरामदगी की गुहार लगाई है।पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ खेत पर गया हुआ था। उस समय उसकी 20 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। खेत से लौटने पर पुत्री घर पर नहीं मिली। तलाश करने पर पता चला कि घर में रखी करीब 30 हजार रुपये की नगदी, मंगलसूत्र समेत सोने-चांदी के जेवरात और उसका मोबाइल फोन भी गायब है।पीड़ित का कहना है कि उसकी पुत्री एक मोबाइल नंबर पर बातचीत कर उसी नंबर के माध्यम से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे अपने साथ ले जाने की आशंका जताई गई है। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लग सका।शुक्रवार को पीड़ित पिता ने थाने पहुंचकर तहरीर दी और पुत्री की सकुशल बरामदगी की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा युवती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए युवती की तलाश के लिए विभिन्न संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। उसके मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल और लोकेशन की भी जांच की जा रही है। आसपास के जिलों की पुलिस को भी आवश्यक सूचना भेजी गई है। परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर युवती के संपर्क में रहने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## उपजिलधिकारी ने उर्वरक बिक्री केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, किसानों से रसीद लेकर खाद खरीदने की अपील

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी एवं जिला कृषि अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार यादव ने शुक्रवार को विभिन्न उर्वरक बिक्री केंद्रों और साधन सहकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उपलब्ध स्टॉक, वितरण व्यवस्था और पॉस मशीन के माध्यम से होने वाले खाद वितरण का भौतिक सत्यापन किया तथा संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने विकासखंड सेमरियावां अंतर्गत साधन सहकारी समिति पैलीखास एवं गरथवलिया का जायजा लिया। इस दौरान पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक का वास्तविक उपलब्धता से

मिलान किया गया और वितरण प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उपजिलाधिकारी हृदय राम तिवारी ने उपस्थित किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी जोत के अनुसार आवश्यकता भर ही उर्वरक खरीदें तथा प्रत्येक खरीद पर विक्रेता से रसीद अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली या किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिले तो तत्काल कृषि विभाग अथवा प्रशासन को सूचित करें, ताकि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

# बकाया सारा टैक्स जमा कराएं, शत प्रतिशत ब्याज की छूट पाएं

## 15 अगस्त से चार माह के लिए निगम शुरू करेगा एक मुश्त समाधान योजना, करदाताओं की सुविधा के लिए सभी जोन कार्यालयों में बनाए जायेंगे विशेष डेस्क

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**सहारनपुर।** भवन स्वामियों पर बकाया (सम्पत्तिकर) गृहकर, जलकर एवं सीवरकर की वसूली के लिए प्रदेश शासन के निर्देश पर नगर निगम द्वारा 15 अगस्त से एक मुश्त समाधान योजना लागू की जायेगी। योजना के अंतर्गत लंबित बकाया टैक्स जमा कराने पर करदाताओं को ब्याज/सरचार्ज पर शत प्रतिशत छूट दी जायेगी। यह छूट उन भवन स्वामियों को ही दी जायेगी जो बकाया सम्पत्ति कर ( गृहकर, जलकर व सीवरकर) एक मुश्त जमा करायेंगे। योजना का लाभ एक अप्रैल 2026 तक के लंबित बकाया पर प्रदान किया जायेगा। योजना के तहत आवेदन 14 नवंबर तक ही लिए जायेंगे। करदाताओं की सुविधा के लिए यह भी व्यवस्था की गयी है कि करदाता अपना टोटल बकाया तीन किश्तों में भी जमा करा सकते हैं, लेकिन यह तीनो किश्त करदाता को 15 दिसंबर से पूर्व जमा करानी होंगी तभी उसे शतप्रतिशत ब्याज की छूट का लाभ मिल सकेगा।

नगरायुक्त शिपू गिरि ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज समस्त जोनल अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर योजना के सम्बंध में जानकारी दी और समावेशी दृष्टिकोण एवं पारदर्शिता अपनाने के निर्देश दिए। 15 अगस्त से शुरू की जा रही एक मुश्त समाधान योजना की समयावधि 04 माह यानि 15 दिसम्बर 2026 तक निर्धारित है। नगर आयुक्त ने कहा कि एक मुश्त समाधान योजना (वन टाइम सेटलमेंट योजना) किसी भी नगर निगम के लिए कई वर्षों में एक बार आने वाली योजना है। उन्होंने करदाताओं एवं अधिकारियों से इस योजना का अधिकतम उपयोग करने की अपील करते हुए करदाताओं से समयबद्धता के साथ बकाया कर जमा कराने पर जोर दिया। नगरायुक्त ने योजना के आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही प्राप्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और आवेदनों का त्वरित निस्तारण भी होगा। उन्होंने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम कार्यालय एवं समस्त जोन कार्यालयों में विशेष डेस्क बनाए जाएंगे जहां निगम का स्टाफ तकनीकी रूप से असमर्थ करदाताओं की सहायता कर उनके ऑनलाइन आवेदन भरवाने में मदद करेगा।

उन्होंनेयोजना की सभी प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता बरतने पर बल देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चेतावनी दी कि कोई भी अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगरायुक्त ने योजना का लाभ सभी करदाताओं तक पहुंचाने के लिए सबसे पहले विवादित कर निर्धारण के मामलों एवं म्यूटेशन संबंधी वादों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए ताकि उन संपत्तियों का भी बकाया कर जमा कराया जा सकें। उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से उन डिफॉल्टर एवं बड़े बकायेदारों पर फोकस करने के निर्देश दिए जिन्होंने अभी तक अपने बकाया कर जमा नहीं किए हैं।

उन्होंने बोगस बिलों की पहचान कर उनका अपडेशन करने को भी कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि हाल ही में नगर निगम की दोनों वेबसाइटों को एक वेबसाइट में मर्ज करने के क्रम में डेटा त्रुटि की संभावना को देखते हुए विभागीय स्तर पर आवश्यक ड्यू डिलिजेंस ( सम्पत्तियों की गहनता से जांच) अवश्य कर ली जाए, ताकि किसी भी दशा में करदाताओं को गलत बिल न पहुंचे और वे आसानी से अपने सही बिल का भुगतान कर सकें। नगरायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी पात्र करदाता इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए सभी करदाताओं से डूर टू डोर संपर्क करने, करदाताओं को बल्क मैसेज के जरिये योजना की जानकारी एवं इसके लाभ से अवगत कराने तथा जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों को योजना से अवगत कराते हुए उनके माध्यम से अधिक से अधिक करदाताओं तक योजना की जानकारी पहुंचाने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर नगर आयुक्त प्रदीप यादव, सहायक नगरायुक्त जे पी यादव व बिकास धर दुबे, कर निर्धारण अधिकारी श्रुति महेश्वरी कर अधीक्षक सुधीर शर्मा व आशुतोष गुप्ता के अलावा समस्त राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे।

## विदेश में मौत के बाद वतन में अपनों का इंतजार खत्म कराया: रुश्दी मियां

### सऊदी अरब में हार्टअटैक से हुई थी असलम कुरैशी की मौत, रुदौली के पूर्व विधायक की पहल से लखनऊ पहुंचा शव

**वेलकम इंडिया/फतेह खान**

**शुजागंज/अयोध्या।** विदेश में अपनों को खोने के बाद शव को वतन लाने के लिए परेशान परिवार की मदद के लिए सपा के पूर्व मंत्री एवं रुदौली के पूर्व विधायक सैय्यद अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां आगे आए। उनके प्रयास से सऊदी अरब में असमय मौत का शिकार हुए मोहम्मद असलम कुरैशी का शव शुक्रवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा। रुश्दी मियां ने स्वयं एयरपोर्ट पहुंचकर शव को रिसीव किया।

सफदरगंज थाना क्षेत्र के कटरा बघौरा गांव निवासी मोहम्मद असलम कुरैशी की 21 जुलाई 2026 को सऊदी अरब के कतीब दम्माम में हार्टअटैक से मौत हो गई थी। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। सबसे बड़ी चिंता असलम के शव को भारत लाने की थी। परिजनों ने रुदौली के पूर्व विधायक रुश्दी मियां से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई। परिवार की परेशानी को देखते हुए उन्होंने तत्काल पहल शुरू की और शव को भारत लाने की प्रक्रिया में सहयोग किया।शुक्रवार सुबह शव लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा तो रुश्दी मियां खुद वहां पहुंचे और शव को रिसीव किया। इसके बाद शव परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया पूरी की गई। बताया जाता है कि विदेश में असमय मौत का शिकार हुए कई भारतीयों के शव अब तक रुश्दी मियां के प्रयास से वतन लाए जा चुके हैं। यही वजह है कि संकट की घड़ी में लोग उनसे मदद की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं।रुश्दी मियां का कहना है कि मुसीबत में फंसे व्यक्ति की मदद के लिए विधानसभा और जिले की सीमा मायने नहीं रखती। इस दौरान मृतक के भाई मोहम्मद मंसूर, मोहम्मद शुएब, राजितराम वर्मा, कमलेश यादव, अमीर अली, मो. फैसल, यशपाल रावत, सुरजीत चौहान, साजिद राइन, अमरेश निषाद ,नदीम खान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

## नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

**चांदपुर।** शकुंतला महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें दीपांशी, रूपाली, सलोनी कर्णवाल, फराना परवीन,गोरीसा महेश्वरी, शौर्य भटनागर और नीतू रानी आदि विभिन्न छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें शौर्य भटनागर को प्रथम स्थान ,सलोनी कर्णवाल को और गोरीसा महेश्वरी1 को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा फराना परवीन और रूपाली को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सभी सफल छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ०एच०जी० पाठक ने बधाई दी और जीवन को सफल बनाने का गुरु मंत्र भी दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० शिवानी शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मनोज कुमार, हर्षि अग्रवाल, पारुल राव, स्वाति शर्मा, मितुल कुमार, अमित चौहान, अमित कुमार नरेश कुमार और गुंजन शर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

## बन्दर ने छत से गिरायी ईट, आगन मे मौजूद महिला हुई घायल

**विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया**

**प्रतापगढ़।** महुली मंडी के समीप स्थित यादव बस्ती में शुक्रवार सुबह एक अप्रत्याशित घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। आंगन में बर्तन धो रही एक महिला उस समय घायल हो गई, जब पास के मकान की छत पर रखी ईंटों को एक बंदर ने नीचे गिरा दिया। ईंटें सीधे महिला पर आ गिरीं, जिससे वह घायल हो गई। गनीमत रही कि समय रहते मदद मिल गई और बड़ा हादसा टल गया। घायल महिला की पहचान विमला (पत्नी रामकुमार), निवासी यादव बस्ती, महुली चिलबिला के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर विभाग को जानकारी दी। फायर स्टेशन प्रभारी राधेश्याम दुबे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल भेजा, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए यह अफवाह फैल गई कि कोई मकान गिर गया है। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कोई मकान नहीं ढहा है और न ही किसी प्रकार की जनहानि हुई है। केवल छत पर रखी ईंटें बंदर की हरकत के कारण नीचे गिरी थीं।राहत एवं बचाव कार्य में फायर स्टेशन प्रभारी राधेश्याम दुबे, कृपा शंकर यादव, चालक अनिल राय, अश्विनी कुमार तथा फायरमैन राहुल, अवनीश, मोहित और संदीप ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि मकानों की छतों पर ईंटें या अन्य भारी सामान असुरक्षित तरीके से न रखें। बंदरों कभी भी शरारत कर सकते है। ध्यान दे अन्यथा आपकी मामुली से लापरवाही कभी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

## भारी बारिश मे छह लोगो की जान गवाने वाले परिवार से मिल राज्य महिला आयोग की सदस्य ने बंधाया ढांढस

**विजय द्विवेदी/वेलकम इन्डिया**

**प्रतापगढ़।** थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई हृदयविदारक दुर्घटना को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने हादसे में प्रभावित परिवार के सदस्य अमन श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया तथा दुर्घटना में दिवंगत सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रतिभा कुशवाहा ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान महुली गांव के ग्रामीणों ने राज्य महिला आयोग की सदस्य से विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में अवगत भी कराया जिस पर नायब तहसीलदार को निर्देशित किया कि गांव में जहां भी बिजली के जर्जर खंभे हैं, उन्हें विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र बदलवाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि महुली गांव में जो तालाब खोदे गये है उन्हें निर्धारित मानकों के अनुसार दुरुस्त कराया जाए। राज्य महिला आयोग की सदस्य ने नायब तहसीलदार को यह भी निर्देश दिए कि गांव में जर्जर एवं रहने योग्य न रहे मकानों का सर्वे कराकर पात्र परिवारों को शासन की आवासीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इस दौरान स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

## घर में घुसकर विवाहिता से अश्लील हरकत का आरोप, जबरन मोबाइल थमाने की शिकायत

**कांधला।** थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली विवाहिता ने गांव के ही एक युवक पर घर में घुसकर अश्लील हरकत करने और जबरन मोबाइल फोन व सिम कार्ड थमाकर बात करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव निवासी पीड़िता का आरोप है कि आरोपी युवक उसके घर में घुस आया और उसके साथ अश्लील हरकत की। विरोध करने पर आरोपी ने जबरदस्ती उसके हाथ में मोबाइल फोन और सिम कार्ड थमा दिया तथा फोन पर बातचीत करने का दबाव बनाया। किसी तरह आरोपी के जाने के बाद विवाहिता ने मामले की जानकारी अपने पति और परिजनों को दी।परिजन विवाहिता को साथ लेकर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने मामले पीड़ित महिला व उसके परिवार को जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

## श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर आगरा पुलिस अलर्ट, पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

**वेलकम इंडिया/मयूर खान**

**आगरा।** आगरा में श्रावण मास, कांवड़ यात्रा और आगामी दूसरे सोमवार के मद्देनजर पुलिस कमिश्नरेट आगरा पूरी तरह सतर्क हो गया है। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने गूगल मीट के माध्यम से अपर पुलिस आयुक्त, सभी पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त तथा सभी थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा गोष्ठी कर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा और प्रमुख मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन व्यवस्था तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अफवाह पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने डीजे संचालन को निर्धारित मानकों के अनुरूप कराने के लिए संबंधित डीजे संचालकों के साथ बैठक आयोजित करने और ध्वनि संबंधी नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए। साथ ही कांवड़ मार्ग पर लगे विद्युत खंभों और बिजली की लाइनों की सुरक्षा जांच के लिए विद्युत विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक निरीक्षण एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को अपराधों की प्रभावी रोकथाम, महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में विशेष अभियान चलाने, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आगामी धार्मिक आयोजनों और पर्वों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गोष्ठी में सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, त्वरित प्रतिक्रिया देने और आमजन से समन्वय बनाए रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

## आगरा के 2.13 लाख से अधिक घरों तक पहुंच रहा गंगाजल

### पानी की गुणवत्ता और सप्लाई पर डीएम ने की सख्त समीक्षा

**वेलकम इंडिया/मयूर खान**

**आगरा।** शहर में गंगाजल की आपूर्ति, पेयजल की गुणवत्ता और जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी मनीष बंसल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में उत्तर प्रदेश जल (नगरीय) और जलकल विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएम ने शहर में गंगाजल की आपूर्ति, पेयजल की गुणवत्ता, प्रगतिमान परियोजनाओं और सीवरेज व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि अमृत योजना के तहत संचालित आगरा गंगाजल परियोजना के माध्यम से बुलंदशहर के पालड़ा झाल से लगभग 130 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के जरिए शहर को गंगाजल की आपूर्ति की जा रही है। गंगाजल के भंडारण के लिए सिकंदरा और जीवनी मंडी में वाटर वर्क्स स्थापित हैं, जबकि पोइया में 55 एमएलडी क्षमता का नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट निमार्णाधीन है। बैठक में डीएम ने शहर के 2.13 लाख से अधिक वाटर हाउस कनेक्शन, डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, पाइपलाइन, ओवरहेड टैंक, पेयजल की गुणवत्ता जांच, शहर की कुल जल मांग और उसकी तुलना में उपलब्ध आपूर्ति सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने यह भी पूछा कि शहर के कितने घरों तक गंगाजल पहुंच रहा है और कहीं आपूर्ति में कोई बाधा तो नहीं है। जिलाधिकारी ने आगरा वाटर सप्लाई री-ऑर्गनाइजेशन स्कीम (ट्रांस यमुना जोन) की प्रगति की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना 1 अगस्त 2025 से शुरू हुई है और 31 जुलाई 2027 तक पूर्ण की जानी है। वर्तमान में प्रस्तावित 11 ओवरहेड टैंकों का लगभग 35 प्रतिशत, 4 सीडब्ल्यूआर का 10 प्रतिशत, हाउस कनेक्शन का 65 प्रतिशत तथा डिस्ट्रीब्यूशन लाइन का 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस पर डीएम ने सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही भूमि संबंधी अथवा अन्य बाधाओं को तत्काल चिह्नित कर एडीएम नमामि गंगे के समक्ष प्रस्तुत करने और उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने जलकल विभाग को निर्देश दिए कि पेयजल की नियमित गुणवत्ता जांच की जाए और प्रत्येक क्षेत्र में मानकों के अनुरूप स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा। जिन क्षेत्रों और कॉलोनियों में नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है, उन्हें चिन्हित कर तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में शहर की सीवरेज व्यवस्था, निमार्णाधीन एवं संचालित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तथा यमुना नदी में गिरने वाले 40 नालों की टैपिंग की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सभी 40 नालों की टैपिंग का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन एसटीपी परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा करने और पूर्ण हो चुके एसटीपी को उनकी स्वीकृत क्षमता के अनुसार संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) जुहैर बेग, अधिशासी अभियंता एहतशामुद्दीन, महाप्रबंधक जलकल तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## किसान वेश बना दुकान पहुचे उप कृषि निदेशक ने ओवररेट यूरिया बेचने वाले विक्रेता को रंगे हाथों पकड़ा

**वेलकम इंडिया/विजय द्विवेदी**

**प्रतापगढ़।** किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह किसान बनकर तहसील पट्टी के बंधवा बाजार स्थित मेसर्स मातासरन खाद बीज भंडार पहुंचे और यूरिया खरीदने का प्रयास किया। विक्रेता ने निर्धारित मूल्य से अधिक 340 रुपये प्रति बोरी की दर बताई। इसके बाद उप कृषि निदेशक ने अपना परिचय देते हुए प्रतिष्ठान की जांच की। जांच में ओवररेट पर बिक्री की शिकायत सही मिली। साथ ही दुकान का भौतिक स्टॉक पीओएस मशीन के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाया। गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर दुकान और गोदाम को तत्काल सील कर दिया गया। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद संबंधित विक्रेता के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र के कई उर्वरक विक्रेताओं ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। उप कृषि निदेशक ने कहा कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली, टैगिंग में गड़बड़ी या अन्य अनियमितता मिलने पर दुकान सील करने के साथ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# कांवड़ यात्रियों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य : गिरीश मथुरिया सैन

**अनिल वशिष्ठ**

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** श्रावण मास के पावन अवसर पर शिव कांवड़ सेवा संघ समिति, मोदीनगर द्वारा आयोजित 29वें भव्य कांवड़ शिविर का शुभारंभ श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिमय वातावरण के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिवभक्तों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर कांवड़ यात्रियों की सेवा का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीश मथुरिया सैन प्रदेश महासचिव, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, समाजवादी पार्टी व अतिथि कृष्णा रुहेला प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य समाजवादी पार्टी ने भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि गिरीश मथुरिया सैन ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची शिवभक्ति है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा शिविर समाज में भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश देते हैं तथा युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

अतिथि कृष्णा रुहेला ने कहा कि भगवान शिव के भक्तों की सेवा करना अत्यंत सौभाग्य की बात है। शिव कांवड़ सेवा संघ समिति पिछले 29 वर्षों से जिस समर्पण, अनुशासन और निष्ठा के साथ कांवड़ यात्रियों की सेवा कर रही है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

उन्होंने सभी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने की। उन्होंने सभी अतिथियों का पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि समिति पिछले 29 वर्षों से कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, जलपान, चिकित्सा, विश्राम एवं अन्य आवश्यक सुविधाएँ पूरी निष्ठा और निस्वार्थ भाव से उपलब्ध करा रही है तथा भविष्य में भी यह सेवा निरंतर जारी रहेगी। कार्यक्रम में बॉबी सैन, जिला उपाध्यक्ष,गुलशन नंदा, दिगंबर सिंह, सुशील शर्मा, अजय रुहेला सहित समिति के पदाधिकारी, समाजसेवी, युवा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे।

# बारिश में भी सफाई कर्मियों की सुरक्षा सर्वोपरि-चेयरमैन विनोद वैशाली

**अनिल वशिष्ठ**

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** ) नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली ने कांवड़ सेवा शिविरों में तैनात सफाई कर्मचारियों को बारिश के दौरान सुरक्षित रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु रेनकोट वितरित किए। इस अवसर पर चेयरमैन विनोद वैशाली ने कहा कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारी प्रतिकूल मौसम, तेज बारिश और कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ नगर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं को बनाए रखने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे कर्मयोगियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सफाई कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं नगर की स्वच्छता बनाए रखने में उनका योगदान सराहनीय है। इसी उद्देश्य से कांवड़ सेवा शिविरों में कार्यरत सभी सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित किए गए, ताकि वे बारिश के दौरान भी सुरक्षित रहकर अपनी सेवाएं निर्बाध रूप से प्रदान कर सकें। चेयरमैन विनोद वैशाली ने सभी सफाई कर्मचारियों के समर्पण, मेहनत और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि नगर पालिका परिषद भविष्य में भी कर्मचारियों के हित एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाती रहेगी।

# कांवड सेवा शिविर का रणवीर दहिया ने फीता काटकर उद्घाटन किया

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मेरठ ।** सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के कस्बा करनावल में शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा हेतु आयोजित शिविर का रालोद के प्रदेश महामंत्री रणबीर दहिया ने फीता काटकर उद्घाटन किया। रणबीर दहिया ने कहा कि भगवान भोलेनाथ से सभी शिवभक्तों की मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की प्रार्थना करता हूँ। हर-हर महादेव रणवीर दहिया व देवेंद्र गौतम विपिन त्यागी व मोहित गूजर व मोनू ढिडाला अनिल कुमार व रविंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

# मारपीट एवं अभद्र व्यवहार किए जाने की आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मोदीनगर।** 03 अगस्त 2026 को कश्यप समाज की बेटी दीपा कश्यप एवं उनकी माता के साथ कथित रूप से हिंदू रक्षा दल की मोदीनगर विधानसभा अध्यक्ष सपना अग्रवाल व उसके पति पंकज कंसल व कुछ अज्ञात लोगों द्वारा गोकशी का झूठा आरोप लगाकर मारपीट एवं अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना से पूरा कश्यप समाज आहत एवं आक्रोशित है। इसी क्रम में 05 अगस्त को कश्यप समाज के लोगों ने थाना मोदीनगर का घेराव कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई थी।

पुलिस प्रशासन को तहरीर सौंपकर आरोपियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कठोर से कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की। घटना वाले दिन से पीड़ित दीपा कश्यप को बार-बार चक्कर आने और बेहोश होने के कारण 07 अगस्त 2026 को पीड़िता दीपा कश्यप का जिला एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद में चिकित्सकीय परीक्षण (मेडिकल) कराया गया। चिकित्सकीय परीक्षण में मारपीट के कारण उनके कान का पर्दा फटने की पुष्टि हुई है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है। कश्यप समाज शासन एवं प्रशासन से मांग करता है कि इस घटना में शामिल सभी आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी कर उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। यदि पीड़ित परिवार को समयबद्ध न्याय नहीं मिला और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो संपूर्ण कश्यप समाज लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। चिकित्सा परीक्षण के दौरान पीड़ित के साथ मुख्य रूप से पंकज कश्यप माहेश्वरी, राजन कश्यप, उमेश कश्यप (समाजसेवी), रवि कश्यप (प्रधान), प्रदीप कश्यप ,संदीप कश्यप, बॉबी कश्यप आदि लोग साथ रहें।

# सचिन दीक्षित को बार एसोसिएशन मोदीनगर का उपाध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया

**अनिल वशिष्ठ**

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** छाया पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल शिक्षाविद डॉ अरुण त्यागी और उनकी टीम के द्वारा एडवोकेट सचिन दीक्षित को बार एसोसिएशन मोदीनगर का उपाध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अरुण त्यागी बिट्टू बिश्नोई सोमेश शर्मा ऋषि शर्मा और स्कूल का स्टाफ आदि उपस्थित थे।

# कांवड़ यात्रा में पुलिसकर्मियों की सुरक्षा हेतु निष्काम सेवा जत्था समिति द्वारा सेफ्टी बेल्ट का वितरण

**अनिल वशिष्ठ**

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान दिन-रात सड़क पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निष्काम सेवा जत्था समिति द्वारा एक सराहनीय अभियान चलाया गया। समिति ने कांवड़ मार्ग पर विभिन्न डिवाइडर कट, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर तैनात पुलिसकर्मियों को रिफ्लेक्टिव सेफ्टी बेल्ट पहनाकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया।

रात्रि के समय अथवा कम रोशनी में यह रिफ्लेक्टिव सेफ्टी बेल्ट वाहनों की हेडलाइट की रोशनी में दूर से ही चमकती है, जिससे ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी स्पष्ट दिखाई देते हैं और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है। समिति के संस्थापक जसमीत सिंह ने बताया कि निष्काम सेवा जत्था समिति का उद्देश्य उन पुलिसकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) गाजियाबाद श्री सुरेन्द्र नाथ तिवारी, उपजिलाधिकारी मोदीनगर सुश्री कोमल पंवार, सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर भास्कर वर्मा एवं प्रभारी निरीक्षक मोदीनगर आनंद प्रकाश निष्काम सेवा जत्था समिति के साथ कांवड़ मार्ग के विभिन्न ड्यूटी प्वाइंटों पर पहुंचे तथा पुलिसकर्मियों को रिफ्लेक्टिव सेफ्टी बेल्ट वितरित कर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली ने नगरपालिका क्षेत्र में चलाए जा रहे निष्काम सेवा जत्था समिति के इस सुरक्षा अभियान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि समाजिक संस्थाओ और प्रशासन के सहयोग से संचालित ऐसे जनहितकारी प्रयास पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ जनसुरक्षा को भी सुदृढ़ करते हैं। इस सेवा अभियान में निष्काम सेवा जत्था समिति के संरक्षक धीरज कालरा, संस्थापक जसमीत सिंह, वरिष्ठ सदस्य ट्विंकल बत्रा, राहुल बाबा, रविंद्र सिंह, हरसिमर सिंह एवं मनजोत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

# विश्व स्तनपान सप्ताह पर 'चुप्पी तोड़, हल्ला बोल' की गूंज, महिलाओं को स्तनपान के फायदे और पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद/साहिबाबाद (वेलकम इंडिया)।** विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'समाधान अभियान' एवं 'इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड' के संयुक्त तत्वावधान में 'चुप्पी तोड़, हल्ला बोल' अभियान के तहत बाल मित्र केंद्र, कोतवाली साहिबाबाद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेवा बस्ती की गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और अभिभावकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महिलाओं को विश्व स्तनपान सप्ताह के उद्देश्य और शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि जन्म के बाद शिशु के स्वास्थ्य, पोषण और जीवन रक्षा के लिए स्तनपान बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध पिलाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस दौरान अभिभावकों को पॉक्सो एक्ट-2012 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बच्चों को यौन शोषण, हिंसा और अन्य प्रकार के अपराधों से सुरक्षित रखने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों के साथ होने वाले यौन शोषण और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन समाधान अभियान की संस्थापक श्रीमती अर्चना अग्निहोत्री के निर्देशन में प्रबंधक श्रीमती दीपा रानी द्वारा किया गया। बाल मित्र केंद्र, साहिबाबाद थाने की टीम भी कार्यक्रम में मौजूद रही।

# मानविकी एवं विज्ञान विषय पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के उद्देश्यों एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद में 03 अगस्त से 07 अगस्त तक ₹भारतीय ज्ञान प्रणाली : मानविकी एवं विज्ञान₹ विषय पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के मूल विचारों, उसके वैज्ञानिक और मानवीय पहलुओं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार उच्च शिक्षा में उसके महत्व से परिचित कराना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डॉ. अशोक कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर तथा डॉ. पंकज शर्मा, प्रोफेसर, (एन. आई. टी. टी. टी. आर. चंडीगढ़) शामिल रहे। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा में भारतीय मूल्यों की उपयोगिता, अनुसंधान, नवाचार और समग्र शिक्षा पर सरल एवं प्रेरणादायक व्याख्यान दिए। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ जोड़कर विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, नवाचार, तार्किक सोच और राष्ट्र निर्माण की भावना को और मजबूत बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. राजेश मिश्रा, संयोजक (विभागाध्यक्ष - ए. एस. एच.) तथा डॉ. विकास कटोच, सह-संयोजक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आर. के. यादव तथा डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एच. जी. गर्ग ने सभी वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय ज्ञान प्रणाली को उच्च शिक्षा का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है और ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण कौशल को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# कांवड़ियों की सेवा में भाजयुमो का शिविर शुरू, महंत वैभव शर्मा ने किया शुभारंभ

## मोहन नगर में लगा पांचवां कांवड़ सेवा शिविर, भोले के भक्तों के लिए भोजन, विश्राम और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** भोले के भक्तों की सेवा के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), गाजियाबाद की ओर से मोहन नगर स्थित ऑटो स्टैंड, डीसीपी कार्यालय के निकट पांचवें कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। मरघट वाले हनुमान मंदिर, आईएसबीटी दिल्ली के महंत श्री वैभव शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शिविर का उद्घाटन किया। शिविर का आयोजन भाजयुमो महानगर उपाध्यक्ष सचिन डेढ़ा के संयोजन में किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर एसीपी इंदिरापुरम/खोड़ा सूर्यबली और निवर्तमान महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, विश्राम और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सचिन डेढ़ा की ओर से हर वर्ष आयोजित होने वाला यह शिविर कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा के लिए समर्पित रहता है। कार्यक्रम के दौरान सचिन डेढ़ा ने भाजपा महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष बलप्रीत सिंह को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगों ने कांवड़ यात्रियों की निःस्वार्थ सेवा के इस प्रयास की सराहना की।

आयोजकों ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा को उन्होंने अपना दायित्व मानते हुए शिविर में आने वाले कांवड़ यात्रियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया है।

# डासना में गरजा जीडीए का बुलडोजर, 44 हजार वर्गमीटर में अवैध निर्माण ध्वस्त

## कल्लूगढ़ी में बड़ी कार्रवाई, विरोध के बीच प्राधिकरण ने कब्जे हटाए

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) का अभियान लगातार जारी है। शुक्रवार को प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने डासना क्षेत्र के कल्लूगढ़ी में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 44 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में किए गए अनधिकृत निर्माण एवं विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया।

उपाध्यक्ष के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी/प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में ग्राम डासना देहात, कल्लूगढ़ी स्थित खसरा संख्या 1618, 1619, 1620, 1627, 1628, 1629 और 1630 में मौ. दानिश एवं नितिन द्वारा किए गए अनधिकृत निर्माण और विकास कार्यों पर बुलडोजर चलाया गया।

इसके साथ ही खसरा संख्या 1630, डासना, कल्लूगढ़ी के निकट जल निगम रोड पर भी अवैध भवन निर्माण के खिलाफ कार्रवाई हुई। यहां दानिश पुत्र SXDYRY द्वारा करीब 300 वर्गमीटर, रवि शंकर शर्मा पुत्र विनोद द्वारा 250 वर्गमीटर और हामिद पुत्र तसब्बुर अली द्वारा करीब 350 वर्गमीटर क्षेत्र में किए गए अनधिकृत भवन निर्माण को ध्वस्त किया गया।

### विरोध के बीच जारी रही कार्रवाई

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकर्ताओं ने विरोध किया। हालांकि, मौके पर मौजूद प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया और जीडीए की टीम ने कार्रवाई जारी रखते हुए चिन्हित अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया।

कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर, मेट के साथ स्थानीय पुलिस बल और प्राधिकरण पुलिस बल मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों के अनुसार अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# सड़ा या फफूंद लगा कुट्टा बन सकता है बीमारी की वजह

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** शराब और एथेनॉल निर्माण इकाइयों से निकलने वाले अवशेष, जिसे स्थानीय स्तर पर कुट्टा कहा जाता है, को पशुओं को खिलाने से पहले पशुपालकों को बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। पशुपालन विभाग ने पशुपालकों से अपील की है कि बिना गुणवत्ता की जांच और विशेषज्ञ की सलाह के इस अवशेष को पशुओं के आहार में शामिल न करें। विभाग के अनुसार, मानक गुणवत्ता वाला डिस्टिलरी उप-उत्पाद वैज्ञानिक सलाह के अनुसार सीमित मात्रा में पशु आहार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन सड़ा-गला, फफूंद लगा, दुर्गंधयुक्त या संदिग्ध गुणवत्ता वाला कुट्टा पशुओं के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। मक्का, टूटे चावल अथवा अन्य अनाज से एथेनॉल बनाने के दौरान निकलने वाले इस उप-उत्पाद को कई स्थानों पर पशु आहार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि खुले में लंबे समय तक पड़ा रहने या उचित तरीके से सुरक्षित नहीं रखने पर इसमें खराबी आ सकती है। ऐसा कुट्टा पशुओं को खिलाने से भूख कम होना, जुगाली बंद होना, दस्त, पेट फूलना, अम्लता, सुस्ती और दूध उत्पादन में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गंभीर स्थिति में इसका असर पशुओं के यकृत और गुर्दों पर भी पड़ सकता है। गर्भित, कमजोर और बीमार पशुओं के लिए विशेष सावधानी जरूरी है।

# कांवड़ियों की सुरक्षा में 'तीसरी आंख' का पहरा, 2000 सीसीटीवी और ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर नजर

## मेरठ रोड पर इंटीग्रेटेड कांवड़ कंट्रोल रूम शुरू, 3000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात; 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** कांवड़ यात्रा के चरम पर पहुंचने के साथ ही जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने की तैयारी तेज कर दी है। मेरठ रोड तिराहे पर इंटीग्रेटेड कांवड़ कंट्रोल रूम शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ और पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कंट्रोल रूम से कांवड़ मार्गों की 24 घंटे रियल टाइम निगरानी की जाएगी। शहर के प्रमुख कांवड़ मार्गों पर लगे 2000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की लाइव तस्वीरें यहां स्थापित अत्याधुनिक डिस्प्ले सिस्टम पर देखी जाएंगी। किसी भी आपात स्थिति, यातायात जाम अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारियों और मौके पर तैनात पुलिस बल को तत्काल अलर्ट किया जाएगा।

### एक लाख से अधिक कांवड़िये गुजर चुके

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने बताया कि गाजियाबाद एनसीआर का प्रमुख ट्रांजिट जिला है। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान की ओर जाने वाले बड़ी संख्या में कांवड़िये गाजियाबाद से होकर गुजरते हैं। अब तक एक लाख से अधिक कांवड़िये जिले से होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो चुके हैं। डाक कांवड़ शुरू होने के साथ आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। प्रशासन ने सुरक्षा के साथ पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और चिकित्सा सुविधाओं पर भी विशेष फोकस किया है। कांवड़ मार्ग पर बिजली अथवा अन्य व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की बाधा को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

### 3000 से अधिक पुलिसकर्मी, ड्रोन से छतों पर भी नजर

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए जिले में 3000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। ड्रोन कैमरों के जरिए कांवड़ मार्गों के साथ आसपास के क्षेत्रों और भवनों की छतों पर भी लगातार निगरानी की जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के साथ सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों को भी विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ ने कहा कि इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम, सीसीटीवी नेटवर्क और ड्रोन सर्विलांस के जरिए पूरी कांवड़ यात्रा पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस-प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है।

### 10 अगस्त को पांच स्थानों पर होगी पुष्प वर्षा

प्रशासन ने 10 अगस्त को कांवड़ मार्ग के पांच चिन्हित स्थानों पर पुष्प वर्षा की तैयारी की है। वहीं, दूधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए विशेष बैरिकेडिंग, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासन के अनुमान के मुताबिक इस वर्ष 10 लाख से अधिक श्रद्धालु और कांवड़िये मंदिर पहुंच सकते हैं।

### नगर निगम द्वारा साई उपवन में कांवड़ शिविर में शिवभक्तों के लिए इंतजाम

गाजियाबाद नगर निगम की ओर से साई उपवन में कांवड़ शिविर का भी शुभारंभ किया गया। शिविर में शिवभक्तों के लिए विश्राम, जलपान, भोजन और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने शिवभक्तों के भोजन, पेयजल और विश्राम की व्यवस्थाओं को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को सुविधाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। कांवड़ यात्रा के अंतिम दौर में प्रशासन की नजर सुरक्षा से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा तक हर पहलू पर है। कंट्रोल रूम, सीसीटीवी और ड्रोन के जरिए निगरानी के साथ जमीनी स्तर पर भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

# शास्त्री नगर में गहरे नाले के दलदल में फंसा 47 वर्षीय व्यक्ति, दमकल ने रेस्क्यू कर बचाई जान

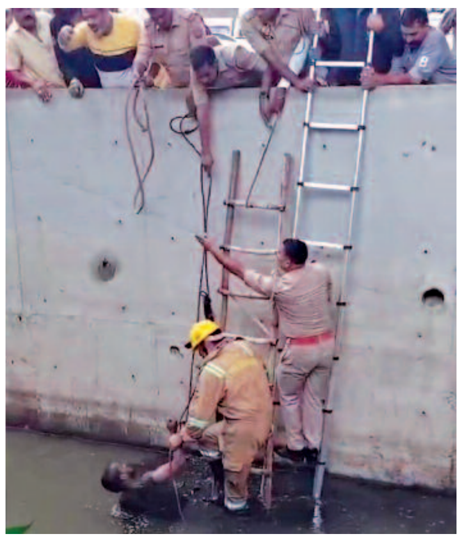

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** शास्त्री नगर के आई ब्लॉक में शुक्रवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब करीब 47 वर्षीय एक व्यक्ति गहरे और गंदे नाले के दलदल में फंस गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं आपात सेवा की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 10:11 बजे फायर स्टेशन कोतवाली गाजियाबाद को सूचना मिली कि आई ब्लॉक, शास्त्री नगर में एक व्यक्ति गहरे एवं दलदलयुक्त नाले में फंसा हुआ है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए अग्निशमन अधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में फायर स्टेशन कोतवाली से एक एफक्यूआरवी और कविनगर फायर स्टेशन से एक फायर टेंडर तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। दोनों दमकल टीमें कुछ ही समय में मौके पर पहुंच गईं। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दमकल कर्मियों ने नाले में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने की रणनीति तैयार की। नाला गहरा और दलदलयुक्त होने के कारण रेस्क्यू अभियान के दौरान विशेष सावधानी बरती गई। दमकल कर्मियों ने आवश्यक सुरक्षा उपकरणों और रेस्क्यू तकनीक का इस्तेमाल करते हुए व्यक्ति तक पहुंच बनाई। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने दलदल में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू किए गए व्यक्ति की पहचान गौरव (47) के रूप में हुई है। बाहर निकालने के बाद गौरव को आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उसे उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय, संजयनगर भेजा गया।

# लोनी बॉर्डर में गोवध मामले का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पकड़ा

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने गोवध के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान इमरान उर्फ तोतला पुत्र इस्लामुद्दीन, निवासी बेहटा हाजीपुर, मौलाना आजाद कॉलोनी, लोनी बॉर्डर, गाजियाबाद, उम्र करीब 47 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 3 अगस्त 2026 को गोवध की सूचना मिलने के बाद थाना लोनी बॉर्डर में गुलफाम, उसकी मां छोटी, सलमान पुत्र शौकीन, अय्यूब पुत्र जुम्मा, इमरान उर्फ तोतला समेत कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 3/5/8 उत्तर प्रदेश गौवध निवारण अधिनियम, 1955 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी।

इसके बाद 4 अगस्त को पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान आरोपी अय्यूब पुत्र हाजी जुम्मा को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से .315 बोर का अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए गए थे।

वहीं, मामले में वांछित आरोपी छोटी पत्नी वकील मलिक को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस ने बताया कि 7 अगस्त 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए इमरान उर्फ तोतला को थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# कांवड़ियों के वाहनों पर चमकेगी सुरक्षा की पट्टी, हादसों पर लगेगा ब्रेक

## मेरठ तिराहे पर यातायात पुलिस का विशेष कैंप, रात में बढ़ेगी वाहनों की विजिबिलिटी

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने शुक्रवार को मेरठ तिराहे पर विशेष सुरक्षात्मक कैंप लगाया। रोटरी क्लब गाजियाबाद के सहयोग से आयोजित कैंप में मेरठ की ओर कांवड़ लेने जा रहे दोपहिया और चार पहिया वाहनों को चिह्नित कर उन पर रिफ्लेक्टिव टेप और रिफ्लेक्टिव मोनोग्राम लगाए गए।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) त्रिगुन बिसेन, अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार सिंह एवं यातायात निरीक्षक संतोष चौहान के नेतृत्व में चले अभियान के दौरान कांवड़ यात्रियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया।

यातायात पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात में भी आवागमन करते हैं। ऐसे में वाहनों की दृश्यता बढ़ाना बेहद जरूरी है। रिफ्लेक्टिव टेप और मोनोग्राम अंधेरे में प्रकाश पड़ने पर चमकेंगे, जिससे पीछे से आने वाले वाहन चालकों को कांवड़ यात्रियों के वाहन दूर से ही नजर आ सकेंगे। इससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस की ओर से लगातार सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं से भी यातायात नियमों का पालन करने और सावधानी के साथ यात्रा करने की अपील की गई।

# कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद पुलिस अलर्ट, आयुक्त ने पैदल गश्त कर परखी व्यवस्था

## गंगनहर से कांवड़ कंट्रोल रूम तक निरीक्षण, सीसीटीवी निगरानी और यातायात व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण तेज कर दिया है। शुक्रवार को पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था एवं यातायात ने कांवड़ मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत परखी।

अधिकारियों ने पैदल गश्त करते हुए कांवड़ियों के आवागमन, यातायात, प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी का जायजा लिया।

पुलिस आयुक्त ने मुरादनगर क्षेत्र में गंगनहर के जलमार्ग और तटवर्ती इलाकों का निरीक्षण किया। जल पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद मेरठ तिराहे स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया।

पुलिस आयुक्त ने वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली और मॉनिटरिंग व्यवस्था देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की गतिविधियों और यातायात पर लगातार नजर रखी जाए और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

### कांवड़ियों से जाना यात्रा का हाल

निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने रास्ते में कांवड़ियों से संवाद कर उनकी यात्रा का अनुभव जाना। श्रद्धालुओं से रास्ते में मिलने वाली सुविधाओं और किसी परेशानी के संबंध में जानकारी ली गई। कांवड़ शिविरों के आसपास भीड़ नियंत्रण और यातायात संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी बनाए रखने को कहा गया। भ्रमण के दौरान पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांसहिंडन, पुलिस उपायुक्त ग्रामीण, संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना प्रभारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।